मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 125
रविवार, 16 नवम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

बिहार दुनिया को राजनीति सिखाता है, कांग्रेस को अब कोई नहीं बचा सकताः पीएम मोदी

नई दिल्ली, 15 नवम्बर। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों ने दिखा दिया है कि जनता ने जातिवाद का जहर उगलने वालों को नकार दिया है। उन्होंने यह भी बताया कि नया 'माई' फॉर्मूला महिला और युवा हैं, जिन्होंने बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को निर्णायक जनादेश दिया है। उन्होंने कहा कि बिहार का ऐतिहासिक विजय हुआ हो, और अगर हम सूरत से आगे जा रहे हों और बिहार के लोगों से मिले बिना जाएं, तो लगता है यात्रा अधूरी रह गई है। इसलिए गुजरात में रहने वाले और खासकर सूरत में रहने वाले मेरे बिहारी भाइयों का हक बनता है, और इसलिए मेरी स्वाभाविक जिम्मेदारी भी बनती है कि आप लोगों के बीच आकर के इस विजयोत्सव के कुछ पल का मैं भी हिस्सा बनूं।

मोदी ने आगे कहा कि आप भी जानते हैं और बिहार के लोग भी जानते हैं कि हम वो पार्टी हैं जब आपने हमें गुजरात में मुख्यमंत्री के रूप में भी काम दिया था तब भी हमारा एक मंत्र था कि भारत के विकास के लिए गुजरात का विकास। हमारी मूलभूत सोच रही है- नेशन फर्स्ट। यही मंत्र हमारे लिए हिंदुस्तान का हर कोना, हिंदुस्तान का हर राज्य, हर भाषा-भाषी नागरिक... ये हमारे लिए पूजनीय है, वंदनीय है। इसलिए बिहार का भी गौरव करना, बिहार के सामर्थ्य को स्वीकार करना... ये हमारे लिए बहुत सहज

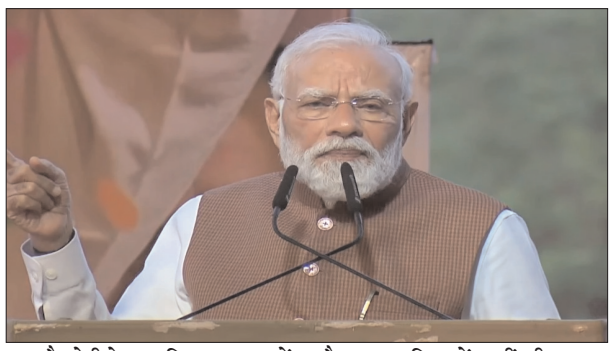

बात है।मोदी ने कहा कि इस चुनाव में एनडीए गठबंधन जो विजयी हुआ है और महागठबंधन जो पराजित हुआ है... दोनों के बीच 10 प्रतिशत वोट का फर्क है, ये बहुत बड़ी बात है। यानी, सामान्य मतदाता ने एकतरफा मतदान किया, ये बिहार के विकास के प्रति ललक है। उन्होंने कहा कि बिहार आज दुनिया भर में छाया हुआ है। आप दुनिया में कहीं भी जाइए, बिहार की टैलेंट आपको नजर आएगी। अब बिहार विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने का मिजाज दिखा रहा है। इस चुनाव में उस मिजाज के दर्शन हुए हैं। महिला-युवा एक ऐसा माई कॉम्बिनेशन बना है, जिसने आने वाले दशकों की राजनीति का नींव मजबूत कर दी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दो साल से ये जमानती नेता बिहार में जाकर जातिवाद-जातिवाद का भाषण दे रहे थे। जितनी ताकत थी उन्होंने जातिवाद का जहर फैलाने की कोशिश की। लेकिन बिहार के इस चुनाव ने जातिवाद के इस जहर को पूरी तरह नकार दिया है। उन्होंने कहा कि ये मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस को देश अस्वीकार कर चुका है। कांग्रेस पार्टी में जो राष्ट्रीय विचारों से पले-बढ़े लोग हैं, ऐसे कांग्रेस का बहुत बड़ा वर्ग... नामदार के हरकतों से दुखी है। कांग्रेस को अब कोई बचा नहीं सकता है, ऐसी हालत हो गई है।

मोदी ने कहा कि बिहार में, सार्वजनिक भूमि पर अक्सर अतिक्रमण करके उसे वक्फ संपत्ति बना दिया जाता था।

राजस्थान में एनसीबी की बड़ी कार्रवाई: 40 करोड़ की मेफेड्रोन लैब ध्वस्त, 5 गिरफ्तार

सिरोही, 15 नवम्बर। सिंथेटिक ड्रग निर्माण पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और राजस्थान पुलिस ने राजस्थान के सिरोही जिले के दांतराई गाँव में एक दूरदराज के फार्महाउस में चल रही एक गुप्त प्रयोगशाला का भंडाफोड़ किया है। इस संयुक्त अभियान में सैकड़ों किलोग्राम रसायन जब्त किए गए - जो लगभग 100 किलोग्राम मेफेड्रोन बनाने के लिए पर्याप्त है, जो एक मनोदैहिक पदार्थ है जिसकी अनुमानित बाजार कीमत 40 करोड़ रुपये है। गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस अभियान में मास्टरमाइंड सहित पाँच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, यह सफलता एनसीबी द्वारा मासिक जिला-स्तरीय एनसीओआरडी बैठकों के माध्यम से जिला पुलिस बलों को लगातार जागरूक करने के परिणामस्वरूप मिली। राजस्थान भर की पुलिस इकाइयों को संदिग्ध गतिविधियों, विशेष रूप से असामान्य स्थानों पर रसायनों, ड्रमों या प्रयोगशाला उपकरणों की उपस्थिति की पहचान करने के लिए प्रशिक्षित किया गया था - जो अवैध ड्रग निर्माण इकाइयों के संभावित संकेतक हैं। सिरोही पुलिस ने एक दूरदराज के फार्महाउस में ऐसी संदिग्ध सामग्री का पता लगाया और तुरंत एनसीबी की जोधपुर इकाई को सूचित किया। निरीक्षण करने पर, एनसीबी अधिकारियों को एक गुप्त ड्रग निर्माण सेटअप के स्पष्ट सबूत मिले। राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू), गांधीनगर की एक टीम ने बाद में मेफेड्रोन उत्पादन में प्रयुक्त रासायनिक अग्रदूतों की उपस्थिति की पुष्टि की। अनुवर्ती जांच के दौरान, एनसीबी और राजस्थान पुलिस ने राजस्थान और गुजरात के विभिन्न हिस्सों से पाँच व्यक्तियों का पता लगाया और उन्हें गिरफ्तार किया। मास्टरमाइंड, जालौर जिले का निवासी वाला राम, एक स्नातक है, जो कथित तौर पर सिविल सेवा सहित कई प्रतियोगी परीक्षाओं में असफल होने के बाद ड्रग निर्माण में लग गया था।

बिहार हार का साइड इफेक्ट: लालू परिवार में टूट, रोहिणी ने राजनीति से लिया संन्यास

पटना, 15 नवम्बर। लालू प्रसाद यादव की बेटी और तेजस्वी यादव की बहन रोहिणी आचार्य ने शनिवार को घोषणा की कि वह बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजों में राष्ट्रीय जनता दल (राजद)-कांग्रेस के नेतृत्व वाले महागठबंधन की हार के एक दिन बाद राजनीति छोड़ रही हैं और अपने परिवार से नाता तोड़ रही हैं। रोहिणी आचार्य ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि संजय यादव और रमीज ने उन्हें राजनीति छोड़ने और अपने परिवार से नाता तोड़ने के लिए कहा है, इसलिए वह सारा दोष अपने ऊपर ले रही हैं। रोहिणी ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा कि मैं राजनीति छोड़ रही हूँ और अपने परिवार से नाता तोड़ रही हूँ... संजय यादव और रमीज ने मुझसे यही करने को कहा था... और मैं सारा दोष

अपने ऊपर ले रही हूँ।

2025 के बिहार विधानसभा चुनावों में करारी हार के एक दिन बाद, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने शनिवार को कहा कि उतार-चढ़ाव तो आना ही है, और कहा कि यह गरीबों की पार्टी है और उनके मुद्दों और आवाजों को उठाती रहेगी। पार्टी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा कि जनसेवा एक अनवरत प्रक्रिया है, एक अंतहीन यात्रा है!

इसमें उतार चढ़ाव आना तय है। हार में विषाद नहीं, जीत में अहंकार नहीं! राष्ट्रीय जनता दल गरीबों की पार्टी है, गरीबों के बीच उनकी आवाज बुलंद करते रहेगी!

बिहार विधानसभा चुनाव के बीच जब तेजस्वी यादव को महागठबंधन में शामिल सहयोगियों की इच्छा के विपरीत मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया था तब शायद कुछ लोगों ने ही कल्पना की होगी कि शानदार चुनावी आगाज करने वाले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता के नेतृत्व में उनकी पार्टी को इस अकल्पनीय हार का सामना करना पड़ेगा।

पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह को बीजेपी ने 6 साल के लिए पार्टी से किया निष्कासित

नई दिल्ली, 15 नवम्बर। बिहार के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह को भाजपा ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में निलंबित कर दिया है। यह कदम राज्य विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत के एक दिन बाद उठाया गया है। बिहार के आरा से पूर्व सांसद सिंह एनडीए नेतृत्व पर सवाल उठा रहे थे और राज्य की नीतीश कुमार सरकार पर गंभीर आरोप भी लगा रहे थे। भाजपा ने आज सुबह सिंह को भेजे एक नोटिस में कहा कि आप पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त हैं। यह अनुशासन के दायरे में आता है। पार्टी ने इसे गंभीरता से लिया है। इससे पार्टी को नुकसान हुआ है। इसलिए, निदेर्शानुसार, आपको पार्टी से निलंबित किया जा रहा है और यह बताने के लिए कहा गया है कि आपको पार्टी से क्यों न निष्कासित कर दिया जाए। इसलिए, कृपया यह पत्र प्राप्त होने के एक सप्ताह के

भीतर अपनी स्थिति स्पष्ट करें।

पूर्व राजनयिक, सिंह मनमोहन सिंह के कार्यकाल में गृह सचिव रह चुके हैं। वे 2013 में भाजपा में शामिल हुए और 2014 और 2019 में आरा से दो बार सांसद चुने गए। 2017 में, उन्हें मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में ऊर्जा मंत्री बनाया गया। 2024 के लोकसभा चुनाव में वे अपनी सीट हार गए। आपको बता दें कि चुनावी राज्य बिहार में, पहले चरण के मतदान से कुछ ही दिन पहले एक नया विवाद खड़ा हो गया था। आरके सिंह ने राज्य में बिजली घोटाले का चौंकाने वाला खुलासा किया था। पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया था कि राज्य के बिजली विभाग में 62,000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार के मंत्रालय के कई अधिकारी इस घोटाले में शामिल हैं और उन्होंने इसकी केंद्रीय जाँच ब्यूरो (सीबीआई) से जाँच कराने की माँग की थी।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव में अप्रत्याशित प्रदर्शन करते हुए अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ नतीजों में से एक दर्ज किया और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन को करारी हार दी। राजग की इस ऐतिहासिक जीत को ब्रैंड मोदी नीतीश के रूप में देखा जा रहा है। इसके उलट, विपक्षी इंडिया गठबंधन 34 सीट पर सिमट गया। चुनाव परिणामों में राजग की जीत का फैलाव ऐसा था कि निर्वाचन आयोग द्वारा जारी बिहार का चुनावी नक्शा हल्के हरे, केसरिया, जामुनी, नेवी ब्लू और सेरुलेन ब्लू रंगों से लगभग भर गया, जबकि इंडिया गठबंधन के रंग सिर्फ छिटपुट रूप में दिखाई दिए। चुनाव नतीजों ने संकेत दिया कि मतदाताओं का भरोसा अब भी ब्रैंड नीतीश पर कायम है। 2005 से अब तक विभिन्न चुनावों में किए गए वादों को पूरा करने का उनका रिकॉर्ड जनता के विश्वास का केंद्र रहा। राज्य में 2010, 2015 और 2020 के चुनावों में ग्रामीण अवसंरचना, बिजली, शिक्षा, रोजगार और महिलाओं के सशक्तीकरण को लेकर किए गए वादों को उन्होंने पूरा किया, जिससे उनका जनाधार मजबूत हुआ। कुमार ने 2025 के चुनाव में एक करोड़ रोजगार देने का वादा किया, जिसे जनता ने राजद नेता तेजस्वी यादव के प्रति परिवार में सरकारी नौकरी देने के वादे की तुलना में अधिक विश्वसनीय माना।

बिहार चुनाव में अप्रत्याशित नतीजे, हुई बड़ी धांधली: कांग्रेस

नई दिल्ली, 15 नवम्बर। कांग्रेस ने अपने 'वोट चोरी' के आरोपों को फिर से हवा दे दी है। इस बार यह बिहार चुनाव को लेकर है। बिहार में महागठबंधन की करारी हार के एक दिन बाद, कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चुनाव आयोग पर 'वोट चोरी' का आरोप लगाया। पार्टी ने एक पोस्ट में कहा कि नरेंद्र मोदी-अमित शाह के इशारे पर चुनाव आयोग ने बिहार में रक्फ़के जरिए 69 लाख वोट हटा दिए। जिन लोगों के वोट हटाए गए, वे विपक्षी मतदाता थे। उन्हें निशाना बनाकर मतदाता सूची से हटा दिया गया। यह साफ तौर पर 'वोट चोरी' है।

पार्टी ने एक्स पर लिखा कि पूरे देश ने देखा कैसे BJP के नेताओं और कार्यकताओं ने अलग-अलग राज्यों में वोट डालने के बाद भी बिहार में जाकर वोटिंग की। BJP के कार्यकताओं ने पहले दिल्ली, उत्तराखंड, बेंगलुरु, हरियाणा चुनाव में वोट किया, फिर उन सभी ने बिहार

में भी वोट किया। इसमें लिखा कि चुनाव के बीच BJP ने स्पेशल ट्रेनें चलवाईं, जिसमें लोगों को टिकट दिलवाकर और गले में पटका पहनाकर अलग-अलग राज्यों से बिहार भेजा गया, ताकि वो BJP को वोट दे सकें।

इसके साथ ही पार्टी ने कहा कि ज्ञानेश कुमार ने बिहार चुनाव की घोषणा के दिन यानी 6 October को प्रदेश में 7.42 करोड़ वोटर बताए। वहीं, वोटिंग के बाद यानी 11 November को वोटरों की संख्या बढ़कर 7.45 करोड़ हो गई। सवाल है- बिहार चुनाव के बीच अचानक से 3 लाख वोटर कैसे बढ़े? बिहार में रक्फ़ की फाइनल लिस्ट आने के बाद रिपोर्टर्स कलेक्टिव को अपनी जांच में करीब 1.32 करोड़ से ज्यादा संदिग्ध वोटर मिले। 39 विधानसभा सीटों पर संदिग्ध वोटों की संख्या 3.76 लाख थी और इसमें से करीब 1.88 लाख नाम ऐसे हैं, जो लिस्ट में दो बार दर्ज थे। कांग्रेस की ओर से कहा गया कि बिहार में SIR के दौरान चुनाव आयोग ने वोटर लिस्ट में डुप्लीकेट एंट्री पकड़ने वाले सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल नहीं किया। नतीजा ये हुआ कि बिहार की वोटर लिस्ट में करीब 14.35 लाख फर्जी वोटर जुड़ गए। कहा गया है कि बिहार में आचार संहिता लागू होने के बाद भी मोदी-नीतीश सरकार ने महिलाओं को 10,000 रुपए भेजना जारी रखा। खासतौर पर ये किस्तें वोटिंग के दिनों के आसपास भेजी गईं। मगर चुनाव आयोग ने कोई एक्शन नहीं लिया, क्योंकि वे खुद इस 'वोट चोरी' की मिलीभगत में शामिल हैं।

वहीं, अजय माकन ने कहा कि देश में चुनाव प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो रहे हैं और जब ऐसा होगा तो नतीजे इस तरह के अप्रत्याशित होंगे ही। बिहार चुनाव में इखढ का स्ट्राइक रेट 90% से ज्यादा है। किसी ने इसकी उम्मीद नहीं की थी। दाल में कुछ तो काला है। हमने अपने गठबंधन सहयोगियों से बात की है, उनका मानना है कि ये अप्रत्याशित नतीजे हैं और इनकी जांच होनी चाहिए।

बिहार में महागठबंधन की खिचड़ी नहीं पकी: केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य नेबिहार विधानसभा चुनाव परिणामों पर विपक्षी दलों के महागठबंधन को निशाने पर लेते हुए शनिवार को कहा कि अंदरखाने बात बिगड़ने के कारण राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव की खिचड़ी नहीं पकी। बिहार विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को दो-तिहाई बहुमत मिला है, जबकि महागठबंधन को करारी हार का सामना करना पड़ा। बिहार चुनाव के सह-प्रभारी एवं उप मुख्यमंत्री मौर्य ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा, राहुल जी, तेजस्वी जी और अखिलेश जी की तिकड़ी में अंदरखाने से बात बिगड़ी, इसलिए बिहार में उनकी खिचड़ी नहीं पकी।

अंतर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस-16 नवम्बर, 2025

शांति ही नहीं, सह-जीवन के लिये जरूरी है सहिष्णुता

-ललित गर्ग

विश्व में सहिष्णुता को बढ़ावा देने और जन-जन में शांति, सहनशीलता, स्वस्थता एवं संवेदना के लिये जागरूकता फैलाने के लिए हर वर्ष 16 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य संसार में हिंसा, युद्ध एवं आतंक की भावना और नकारात्मकता को खत्म कर अहिंसा को बढ़ावा देना है। दुनिया में बढ़ते अत्याचार, आतंक, हिंसा और अन्याय को रोकने और लोगों को सहनशीलता और सहिष्णुता के प्रति जागरूकता की भावना जगाने के लिये इस दिवस की विशेष प्रासंगिकता है। यह दिवस सभी धर्मों और अलग-अलग संस्कृतियों को एक होने की प्रेरणा देता है। यह केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि मानवता के भविष्य को बचाने की अनिवार्य पुकार है। जिस समय दुनिया विकास और तकनीक की ऊँचाइयों को छू रही है, उसी समय वह असहिष्णुता, हिंसा, युद्ध, आतंक और आक्रोश की गहराइयों में डूबती भी जा रही है। यह विरोधाभास बताता है कि मनुष्य बाहरी रूप से कितना भी समर्थ हो जाए, लेकिन यदि भीतर सहिष्णुता, धैर्य और संवेदना का प्रकाश न हो, तो सभ्यताएँ चमकते हुए भी विघटन के कगार पर खड़ी हो सकती हैं। आज के तनावपूर्ण वातावरण में सहिष्णुता मानवीय संबंधों को जोड़ने वाली सबसे महत्वपूर्ण शक्ति है। यह कमजोरी नहीं, बल्कि वह आंतरिक सामर्थ्य है जो हमें अपने विचारों के साथ दूसरों के विचारों को समझने, स्वीकारने और सम्मान देने की क्षमता प्रदान करती है।

व्यक्तियों, समाजों एवं राष्ट्रों की एक दूसरे के लिये बढ़ती असहिष्णुता ही युद्ध, नफरत एवं द्वेष का कारण है, यही साम्प्रदायिक हिंसा एवं उन्माद का भी कारण है। असहिष्णुता, घृणास्पद भाषण और दूसरों के प्रति भय, नफरत, घृणा एवं द्वेष न केवल संघर्ष और युद्धों का एक शक्तिशाली प्रेरक है, बल्कि इसका मुख्य कारण भी है। जबकि सहिष्णुता वह बाध्यकारी शक्ति है जो हमारे बहुसांस्कृतिक, बहुजातीय और बहुधार्मिक समाज को एकजुट करती है। असहिष्णुता केवल सामाजिक एवं राजनैतिक ताने-बाने को ही छिन्न-भिन्न नहीं करती है, बल्कि इसका देश की अर्थव्यवस्था, उसके विकास एवं अंतर्राष्ट्रीय छवि पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वैश्वीकरण के युग में अंतर्राष्ट्रीय वित्त एवं व्यापार व्यवस्था को मजबूती देने के लिये सहिष्णुता की बड़ी जरूरत है। यह व्यक्तिगत जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है। दरअसल, बदलते लाइफस्टाइल और सामाजिक माहौल की वजह से लोगों के अंदर सहनशीलता लगातार घटती जा रही है।

दुनिया भर में बढ़ते युद्ध, धार्मिक कट्टरता, नस्लीय संघर्ष, जातीय टकराव और सोशल मीडिया पर फैलती नफरत इस बात का प्रमाण हैं कि असहिष्णुता की आग कितनी तेजी से फैल रही है। ऐसे वातावरण में सहिष्णुता केवल सामाजिक मूल्य नहीं, बल्कि मानवता का आधार बन जाती है। मनुष्य जब संवाद खो देता है, जब सुनने की संस्कृति कमजोर पड़ जाती है, जब व्यक्तिगत अहंकार सामूहिक सद्भाव पर भारी पड़ने लगता है, तब असहिष्णुता जन्म लेती है। यही कारण है कि आज की दुनिया में सबसे बड़ी कमी है-संवाद, धैर्य और विविधता को सम्मानपूर्वक स्वीकारने की क्षमता। सहिष्णुता केवल अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिए आवश्यक नहीं, बल्कि व्यक्तिगत जीवन की भी अनिवार्यता है। घरों में तनाव बढ़ रहा है क्योंकि हम दूसरों की बात सुनने का धैर्य खोते जा रहे हैं। रिश्ते टूट रहे हैं क्योंकि हम भिन्नता को स्वीकारने के लिए तैयार नहीं। आधुनिक मनुष्य तेजी से प्रतिक्रियाशील हो गया है; छोटी-सी आलोचना भी उसे अस्थिर कर देती है। यदि हम अपने भीतर सहिष्णुता का दीपक जलाएँ, तो जीवन सरल, सुंदर और शांतिमय हो सकता है।

विशेष रूप से राजनीति में सहिष्णुता की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। राजनीति राष्ट्र का मार्ग निर्धारित करती है; यदि इसमें असहिष्णुता, अपमान, दुराग्रह और द्वेष बढ़ता है, तो समाज में भी यही भाव प्रसारित होते हैं। आज जब राजनीतिक भाषा में कटुता बढ़ रही है, विपक्ष की नकारात्मकता के कारण लोकतांत्रिक संवाद और राजनीतिक संस्कृति दोनों खतरे में पड़ रहे हैं। राजनीति का मूलभूत उद्देश्य जनता की सेवा और राष्ट्र का विकास है, परन्तु यह तभी संभव है जब विचारों की विविधता को सम्मान मिले, विचार-विमर्श की परंपरा जीवित रहे और नेता विरोधी विचारों को भी सुने। श्रेष्ठ नेतृत्व वही है जो सबको साथ लेकर चले, न कि विभाजन और नफरत की सियासत को हवा दे। सहिष्णुता राजनीति को परिपक्वता प्रदान करती है और सत्ता के अहंकार को मानवीय संवेदना से संतुलित करती है।

धर्म के क्षेत्र में भी सहिष्णुता की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि धर्म का मूल स्वरूप शांति, करुणा, प्रेम और सद्भाव है। लेकिन जब धर्म कट्टरता और संकीर्णता का साधन बनने लगता है, जब लोग अपने मत को सर्वोच्च और दूसरों के मत को नीचा समझने लगते हैं, तब धर्म का वास्तविक उद्देश्य नष्ट हो जाता है। महावीर, बुद्ध, ईसा, पैगंबर, गांधीकृसभी ने धर्म को मन की शुद्धि और मानवता की रक्षा का मार्ग बताया है, न कि विभाजन और संघर्ष का। धर्म का सार यही है कि हम भिन्नताओं को समझें, दूसरों की आस्थाओं का सम्मान करें और मनुष्यता को सर्वोच्च मानें। धार्मिक सहिष्णुता किसी समाज की आध्यात्मिक ऊँचाई का मापदंड होती है। सह-अस्तित्व की भावना ही वह आधार है जिस पर उन्नत दुनिया का निर्माण संभव है। हम एक ही धरती पर रहते हैं, एक ही मानव समुदाय से जुड़े हैं, और चाहे किसी भी भाषा, धर्म, जाति या संस्कृति से हों, हमारी नियति एक-दूसरे से गुँथी हुई है। यदि हम साथ रहना सीख लें, एक-दूसरे का सम्मान करते हुए आगे बढ़ें, तो दुनिया हिंसा और तनाव से मुक्त होकर सौहार्द और समृद्धि का नया अध्याय लिख सकती है।

दरअसल, बदलते लाइफस्टाइल और सामाजिक माहौल की वजह से लोगों के अंदर सहनशीलता लगातार घटती जा रही है। सामाजिक माहौल ना बिगड़े और लोग एक दूसरे के साथ मिल-जुलकर रहे। व्यक्ति, समाज, राष्ट्र एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर छोटी-छोटी बातों पर लड़ाई-झगड़ा एवं युद्ध की स्थितियां बनना आम हो गया है। रूस-यूक्रेन एवं इजरायल-हमाम के बीच लम्बे युद्धों ने विश्व मानव समाज के लिये गंभीर खतरे उत्पन्न किये है। लगातार युद्ध की बढ़ती स्थितियां एवं आतंकवाद की बढ़ना व्यक्ति, समाज, राष्ट्र एवं विश्व में बढ़ती असहिष्णुता का ही परिणाम है। किसी भी युग में किसी भी देश में जब-जब सहिष्णुता की दीवार में कोई सुराख करने की कोशिश हुई है, तब-तब आसुरी एवं हिंसक शक्तियों ने सामाजिक एकता को कमजोर किया है और विनाश का तांडव रचा है। सहिष्णुता तभी कायम रह सकती है जब संवाद कायम रहे। सहिष्णुता इमारत है तो संवाद आधार। लेकिन प्रतिस्पर्धा और उपभोक्तावाद के जाल में फंस चुके इस विश्व में यह संवाद लगातार टूटता जा रहा है।

संत कबीरदास से लेकर गुरूनानक, रैदास और आचार्य तुलसी आदि संतों ने समाज में सहिष्णुता का भाव उत्पन्न कर सामाजिक समरसता को जन जन तक पहुंचाया। इससे समाज में सही अर्थों में सहिष्णुता की भावना बलवती हुई। संत कबीर हिन्दु-मुस्लिम एकता के प्रतीक थे। उन्होंने राम-रहीम को एक माना और कहा ईश्वर एक है भले ही उसके नाम अलग-अलग क्यों न हों। आजादी के आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी ने सहिष्णुता का संदेश घर-घर तक पहुंचाया। गांधीजी सहिष्णुता के साक्षात प्रतीक थे। सहनशीलता हमारे जीवन का मूल मंत्र है। सहिष्णुता ही लोकतंत्र का प्राण है और यही वसुधैव कुटुम्बकम, सर्वे भवन्तु सुखिनः एवं सर्वधर्म सद्भाव का आधार है। इसी से मानवता का अभ्युदय संभव है। अंतर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस हमें याद दिलाता है कि मनुष्यता का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम कितना स्वीकार करते हैं, कितना समझते हैं और कितनी उदारता से जीते हैं। यह समय की माँग है कि राजनीति में संवाद, धर्म में करुणा और समाज में संवेदना का विस्तार हो। यदि हम सहिष्णुता को विचार नहीं, बल्कि जीवन की शैली बना लें, तो न केवल हमारा व्यक्तिगत जीवन शांतिमय होगा, बल्कि दुनिया भी अधिक सुरक्षित, सुंदर और मानवीय बन जाएगी। यही सहिष्णुता का वास्तविक संदेश है और यही मानवता की सबसे बड़ी आवश्यकता।

सादगी की सरस्वती लोकगायिका मैथिली की जीत सनातन, संस्कार और परंपरा की जीत

-सुरेश गांधी

अलीनगर विधानसभा में इस बार राजनीति से ज्यादा भावनाएं जीतीं। लोकगायिका मैथिली शरण ने 11,000 से अधिक मतों के ऐतिहासिक अंतर से वह दर्ज किया, जिसे जनता ने पहले ही सुनिश्चित कर दिया था। मतदान से महीनों पहले ही गलियों, चैपालों में एक ही आवाज गूंज रही थी, ह्लहमर बेटी जीतै छइ ह्व उनकी सादगी, संस्कृति, मां - भाई संग पारिवारिक उपस्थिति और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सम्मानित प्रतिभा ने मतदाताओं को भावनात्मक रूप से जोड़ दिया। अलीनगर का यह जनादेश बताता है, ह्लनेता वही, जिसमें सादगी और आदर का भाव हो ह्व मैथिली शरण ने गीतों से दिल जीते थे, अब सेवा से दिल जीतने की यात्रा शुरू हो चुकी है। चुनाव के दौरान अलीनगर में मेरे ग्राउंड कवरेज में सबसे खास बात यही दिखी कि जनता केवल समर्थन नहीं कर रही थी, वह गर्व महसूस कर रही थी। कई जगहों पर महिलाओं की उत्सुकता, बुजुर्गों का आशीर्वाद और युवाओं का आत्मविश्वास साफ बता रहा था कि यह जीत चुनावी नहीं, पारिवारिक जीत है। अलीनगर ने केवल वोट नहीं दिया, अपनी बेटी को नेतृत्व सौंपा है। प्रस्तुत है सीनियर रिपोर्टर सुरेश गांधी की मैथिली शरण से खास बातचीत के प्रमुख अंशः- जहां जनता ने पहले ही दिलों में लिख दी थी जीत की इबारत, सादगी, संस्कृति, मां - भाई संग आत्मीय छवि बनी सबसे बड़ी ताकत. मैथिली ठाकुर जैसी नई पीढ़ी की जीत ने राजनीतिक माहौल में नई ऊर्जा भर दी है. उनकी यह जीत आने वाले समय में युवाओं की भूमिका और भागीदारी को भी नई दिशा दे सकती है

चुनाव में लोकप्रिय लोकगायिका व भाजपा प्रत्याशी मैथिली ठाकुर (25) ने अलीनगर सीट से शानदार जीत दर्ज करते हुए इतिहास रच दिया है। वह 11,730 वोटों के अंतर से विजयी रहीं, साथ ही बिहार की सबसे युवा विधायक बन गईं। 25 साल की गायिका मैथिली ठाकुर चुनाव में बढ़त बनाते ही खुशी से झूमती नजर आ रही हैं। मैथिली की जीत केवल एक राजनैतिक विजय नहीं, बल्कि संस्कृति, परम्परा, सनातन, और सामाजिक सादगी की वह पुकार है जिसने जन-जन का दिल जीता, जनता ने उन्हें अपने वोट से स्वीकारा है। उन्होंने अपनी जीत, जनता के प्यार, अपने परिवार, अपनी सांस्कृतिक पहचान और भविष्य की राजनीति के दर्शन पर स्पष्ट संवाद रखा। उन्होंने कहा, ह्लजनता ने मुझे बहन-बेटी समझकर आशीर्वाद दिया, यही मेरी सबसे बड़ी संपत्ति है.ह्व चुनाव अभियान के दौरान जिस तरह उनका व्यक्तित्व, उनकी गायिकी, उनकी संस्कृति और उनके प्रति जनता का सहज प्रेम उमड़कर सामने आया, वह किसी भी अनुभवी नेता को चकित करने वाला था। वरिष्ठ पत्रकार सुरेश गांधी ने इस जीत के राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयामों पर विस्तार से चर्चा की।

बता दें, रियलिटी शोज से पहचान बनाने वाली मैथिली का ताल्लुक बिहार के एक छोटे से गांव से है, लेकिन संगीत उनके खून में है। पिता रमेश ठाकुर संगीतकार हैं और वही उनके पहले गुरु भी। मां गृहणी हैं और छोटे भाई ऋषभ और अयाची दोनों संगीत में बहन का पूरा साथ देते हैं। रोजगार की तलाश में परिवार सालों पहले दिल्ली आ गया, जहां मैथिली ने पढ़ाई भी की। अब वही सुरों वाली लड़की बिहार की राजनीति में भी अपनी मजबूत ह्यधुनह्ण बजा रही है। टीवी पर आकर बिहार को नई दिशा में नए सोच के साथ ले जाने की बात कर रही हैं। राजनीतिक डेब्यू में ही ऐसी बड़ी जीत किसी के लिए भी बेहद खास होती है, और इसे लेकर मैथिली ठाकुर के भाव भी सामने आए. जीत के कुछ घंटों बाद उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर एक वीडियो साझा किया, जिसने लोगों के दिल को छू लिया. वीडियो में मैथिली की मां खुशी के आंसू बहाती नजर आती हैं. यह वह पल था जिसने इस जीत को सिर्फ एक राजनीतिक सफलता नहीं, बल्कि एक पारिवारिक भावनात्मक अध्याय भी बना दिया. वीडियो में देखा जा सकता है कि जैसे ही जीत की पुष्टि होती है, मैथिली की मां भावुक होकर रो पड़ती हैं. शायद वर्षों की मेहनत, संघर्ष, और बेटी की उपलब्धि को सामने देखकर उनका मन भर आया. मैथिली खुद अपनी मां के आंसू पोंछती दिखीं, और मुस्कुराते हुए उन्हें संभालती रहीं. यह दृश्य जल्द ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और लोगों ने इस पल को वोट की जीत से ज्यादा परिवार का गर्व बताया. अलीनगर सीट की इस जीत के साथ मैथिली ठाकुर ने यह साबित कर दिया है कि लोकप्रियता और प्रतिभा सिर्फ मंच तक सीमित नहीं रहती, बल्कि जनता की उम्मीदों को भी मजबूती से थाम सकती है. सोशल मीडिया पर उनके समर्थक इस जीत को नई पीढ़ी की राजनीति की शुरूआत बता रहे हैं, जहां युवा चेहरों को जनता से सीधे समर्थन मिलता दिख रहा है.

अलीनगर विधानसभा का यह चुनाव जितना राजनीतिक था, उतना ही भावनात्मक भी। लोकगायिका मैथिली शरण की ऐतिहासिक जीत ने साबित कर दिया कि जनता के लिए सादगी, संस्कार और सम्मान आज भी राजनीति की सबसे बड़ी पूंजी है। चुनाव प्रचार के दौरान एक बात बार-बार सामने आई, ह्लहमर बेटी त जीतबे करैत ।ह्व जनता का यही विश्वास अंततः 11,000 से अधिक मतों के विशाल अंतर में बदल गया। मैथिली शरण जहां भी गईं, उनकी मां और भाई उनके साथ रहे। यह दृश्य मतदाताओं को सबसे अधिक आकर्षित करता था। महिलाएँ कहतीं, ह्लएतना सादगी, एतना आदर... ई नेता त नय, अपन बेटी छै।ह्व उनकी इस पारिवारिक छवि ने राजनीति में अद्भुत विश्वास पैदा किया। लोकद्दसंगीत से मिली पहचान ने उन्हें गाँव - गाँव तक एक अपना नाम दिया था। उनकी मीठी बोली और सहज व्यवहार ने हर उम्र - समूह को जोड़ दिया। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पहले दिया गया सम्मान भी जनता में गर्व का विषय था। चुनावी दौरे के दौरान मैंने पाया कि जहाँ - जहाँ वे जातीं, भीड़ बिना बुलाए उमड़ पड़ती। महिलाएँ आरती उतारतीं, बच्चे ह्लमैथिली दीदी जिंदाबादह्व कहते दौड़ते आते। यह चुनाव प्रचार नहीं - एक भावनात्मक स्वीकार्यता थी। विपक्ष की सभाओं में ऊर्जा कम थी। लोग सुनते भी थे, पर मन पहले ही अपना निर्णय कर चुका था। 85 वर्षीय महिला को उसकी बेटी बूथ तक लाई, और बोली, ह्लहमर बेटी जीतै के पहले वोट देल जरूरी छै।ह्व यह दृश्य चुनाव की असली कहानी कह रहा था।

सवालः अलीनगर की जनता ने आपको भारी मतों से जिताया। इस जीत को आप कैसे देखती हैं?

मैथिली ठाकुरः मेरे लिए यह जीत केवल आंकड़ों की नहीं, भावनाओं की जीत है। अलीनगर की जनता ने मुझे नेता नहीं, अपनी बेटी मानकर आशीर्वाद दिया। मैंने जिस सादगी, संस्कार और संस्कृति के साथ यहाँ कदम रखा, जनता ने उसी भाव को स्वीकार किया। लोकगायिका के रूप में मुझे जो प्यार मिला था, अब वह जिम्मेदारी में बदल गया है। मैं इसे ह्लअलीनगर का आदेशह्व मानती हूँ।

सवालः आपकी सभाओं में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों का अभूतपूर्व समर्थन दिखा। आपको कब लगा कि यह जीत पक्की है?

मैथिली ठाकुरः जब अभियान शुरू हुआ तभी से मुझे महसूस हो गया था कि जनता का प्यार बहुत गहरा है। हर गाँव, हर टोले में लोग कहते थे, ह्लदीदी आयल छथि, आब चिन्ता खत्म ।ह्व जब महिलाएँ मुझे गले लगाकर आशीर्वाद देती थीं, युवा मेरे गीतों पर झूमते हुए समर्थन देते थे, और बुजुर्ग मेरे सिर पर हाथ रखकर कहते, ह्लबेटा, अब तो अलीनगर बदलई ।ह्व तब मुझे समझ आ गया था कि जनता ने मन बना लिया है।

सवालः आपके हर कार्यक्रम में आपकी माँ - भाई का साथ रहना आपकी लोकप्रियता का विशेष कारण माना गया। क्या यह आपका सुनियोजित निर्णय था?

मैथिली ठाकुरः यह हमारे परिवार की परंपरा है। जहाँ भी मैं गायन, भजन या कोई कार्यक्रम करती हूँ, माँ-पापा या भाई साथ होते हैं। यह हमारे संस्कार हैं। अलीनगर के लोगों ने इस पारिवारिक जुड़ाव को बहुत अपनाया। उन्हें लगा कि हमारी बेटी परिवार के साथ राजनीति में उतरी है। इससे जनता का विश्वास और बढ़ा।

सवालः आपकी राजनीति की शुरूआत संस्कृति और सनातन मूल्यों के साथ मानी जा रही है। आप इसे कैसे देखती हैं?

मैथिली ठाकुरः मैंने कभी राजनीति को करियर की तरह नहीं सोचा था। मैंने हमेशा संस्कृति, भक्ति और लोकगीत को अपनी सेवा माना है। जब समाज और संस्कृति आपको लोकप्रीयता देती है, तो वही जनता एक दिन कहती है, ह्लअब तुम राजनीति में भी हमें प्रतिनिधित्व दो। मैं राजनीति को भी सेवा और साधना का माध्यम मानती हूँ। सनातन संस्कृति मेरे जीवन का आधार है, और मैं उसी भावना को अपने काम में आगे रखूँगी।

सवालः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आपकी प्रतिभा की कई बार प्रशंसा कर चुके हैं। क्या उससे चुनाव में लाभ मिला?

मैथिली ठाकुरः निश्चित रूप से प्रधानमंत्री जी द्वारा मेरे गीतों की सराहना, पुरस्कार और सम्मान मुझे प्रेरणा देते रहे हैं। लेकिन अलीनगर के लोगों ने मुझे इसलिए नहीं चुना कि प्रधानमंत्री ने मुझे सम्मान दिया, बल्कि इसलिए चुना कि मैं उनकी बेटी हूँ, उनकी संस्कृति की आवाज हूँ। मोदी जी का समर्थन बड़ी बात है, लेकिन जनता का भरोसा उससे भी बड़ी चीज है।

सवालः एक लोकगायिका के रूप में राजनीति में आना कैसा अनुभव रहा? चुनौतियाँ भी आईं होंगी?

मैथिली ठाकुरः चुनौतियाँ तो थीं, लेकिन जनता का प्यार सबसे बड़ी शक्ति था। मैंने राजनीति में आकर पाया कि यदि आपका मन साफ है, भाषा मीठी है, और व्यवहार सरल है, तो राजनीति भी उतनी ही सुरमयी हो सकती है जितनी भजन-गायन। मैंने कभी कठोर भाषा का उपयोग नहीं किया, नकारात्मक प्रचार से दूरी बनाई, और जनता ने इसी शैली को अपनाया।

सवालः आपके राजनीतिक एजेंडे की दिशा क्या होगी?

मैथिली ठाकुरः मेरा पहला लक्ष्य है, अलीनगर के युवाओं को शिक्षा व रोजगार से जोड़ना। महिलाओं के आत्मनिर्भर समूह, लोकसंगीत - सांस्कृतिक मंच, सड़क, स्वास्थ्य, पीने का पानी, इन सब पर हम प्राथमिकता से काम करेंगे। मैं राजनीति में नया हूँ, लेकिन समर्पण पुराना है। मैं चाहती हूँ कि लोग कहें, ह्लमैथिली दीदी बदली नाही, बल्कि व्यवस्था बदली। सवालः भविष्य में आप खुद को किस भूमिका में देखती हैं? मैथिली ठाकुरः मैं भविष्य नहीं देखती, मैं वर्तमान को पूरी निष्ठा से जीती हूँ। जो जिम्मेदारी मिली है, उसे पूरी ईमानदारी से निभाना मेरा लक्ष्य है। यदि जनता और पार्टी भरोसा जताएगी, तो मैं हर बड़ी से बड़ी जिम्मेदारी उठाने को तैयार हूँ। लेकिन लोकसंगीत और संस्कृति से दूरी कभी नहीं होगी।

सवालः आपकी जीत को लोग ह्यसादगी की जीतह्ण भी कह रहे हैं। आपका क्या कहना है?

मैथिली ठाकुरः सादगी हमारे परिवार की पहचान है। मैंने कभी मंच पर या जीवन में दिखावा नहीं किया। लोकगीत, भजन और संस्कार ही मेरा श्रृंगार हैं। यदि जनता इसे जीत मानती है, तो यह मेरे लिए सबसे बड़ी पूँजी है।

सवालः अंत में, अलीनगर को आप क्या संदेश देना चाहेंगी?

मैथिली ठाकुरः अलीनगर मुझे सिर्फ एमएलए नहीं, जनता की बेटी बना कर देख रहा है। मैं वचन देती हूँ कि मैं इस भरोसे की रक्षा प्राण-प्रण से करूँगी। मेरा गीत भी उनके लिए, मेरा काम भी उनके लिए, और मेरा जीवन भी अलीनगर की सेवा के लिए समर्पित है।

फिरहाल, मैथिली ठाकुर की आवाज में जिस मिठास की गूंज है, उसी मिठास का विस्तार अब अलीनगर की राजनीति में सुनाई देगा। उनका व्यवहार, आदर, सादगी और सांस्कृतिक आचरण इस क्षेत्र की उम्मीदों को नए आकार दे रहा है। अलीनगर की जनता ने न केवल एक प्रत्याशी को चुना, बल्कि अपने संस्कार और परंपरा की प्रतिध्वनि को विधान सभा तक भेजा है. मैथिली ठाकुर की जीत को केवल चुनावी आंकड़ों में मापना गलत होगा। यह 11,000 से अधिक मतों की बढ़त एक सामाजिक-सांस्कृतिक आंदोलन की जीत है। अलीनगर की जनता ने साफ संदेश दिया है, हम सादगी, सत्य, संस्कृति और संस्कार को वोट देते हैं। मैथिली ठाकुर ने राजनीति की शुरूआत उस जगह से की है जहाँ लोग नेता नहीं, अपनी बेटी, अपनी बहन को चुन रहे थे। उनकी जीत यह प्रमाण है कि यदि उम्मीदवार का हृदय साफ हो, संस्कृति में आस्था हो और जनता के प्रति विनम्रता हो, तो राजनीति भी संगीत की तरह मधुर हो सकती है। मैथिली की पहचान राजनीति से पहले संस्कृति की प्रतिनिधि के रूप में रही है। उनके गीत, ह्लशिव बम बम बोल, जय माता दी, भक्ति - भाव से भरल गीतह्व... इनको गाते हुए लाखों लोग बड़े हुए हैं। उनकी विनम्रता, संस्कार, परम्परा से जुड़ाव, मंच पर सबसे पहले माँ - बाप के चरण स्पर्श करने की आदत... ये सब संदेश देता है कि सांस्कृतिक मूल्य केवल किताबों तक सीमित नहीं, बल्कि जनद्दजन तक पहुँचते हैं।

आज जब राजनीति में कठोर चेहरे, तीखे शब्द और व्यक्तिगत हमले आम हो गए हैं, ऐसे समय में मैथिली ठाकुर की संस्कृति-प्रधान राजनीति राहत देती है। उनकी जीत बताती है, ह्लसनातन संस्कृति आधुनिक राजनीति में भी उतनी ही प्रासंगिक है जितनी सदियों पहले थी।ह्व एक लोक गायिका का इतनी भारी जीत दर्ज कर लेना, यह राजनीति में एक नया संकेत है. यह संकेत है कि जनता को अब सिर्फ नेता नहीं चाहिए, प्रेरणा चाहिए। मैथिली ठाकुर के पास कला भी है, आध्यात्म भी, और जनता के प्रति सच्चा सम्मान भी। इतिहास गवाही देता है कि जनप्रतिनिधि वही टिकता है जिसका हृदय जनता से जुड़ा हो। आज भारत में मनोरंजन, उद्योग से या कला, संस्कृति के क्षेत्र से कई लोग राजनीति में आए, पर मैथिली ठाकुर की यात्रा अलग है। वे सिर्फ गाती नहीं, जीती हैं अपनी संस्कृति को। उनका जीवन ही संदेश है। चुनाव के दौरान लोग कहते थे, ह्लदीदी के गाना से हम रउरा दुख - सुख बितइली ।ह्व उनकी लोकप्रियता मोदी प्रभाव से आगे निकल गई थी। हालाँकि यह कहना होगा कि मोदी ब्रांड ने उनकी विश्वसनीयता को और मजबूती दी। वे सिर्फ विधायक नहीं, एक सांस्कृतिक आंदोलन की वाहक हैं। उनके पास युवाओं की ऊर्जा, महिलाओं का विश्वास और बुजुर्गों का आशीर्वाद, तीनों हैं। यह संयोजन राजनीति में दुर्लभ है। यदि वे अपनी यह सादगी और जन-संपर्क बनाए रखती हैं, तो उनका सफर बहुत बड़ा हो सकता है, सांस्कृतिक मंत्रालय, महिला सशक्तीकरण, या राष्ट्रीय स्तर पर किसी बड़े सामाजिक अभियान में उन्हें आगे रखा जा सकता है। उनकी राजनीति की शुरूआत ही इतिहास बन गई है, आगे वे क्या आकार लेंगी, यह देखने लायक होगा।

समाज को राह दिखाता है मीडिया

-रमेश सर्राफ धमोरा

16 नवम्बर राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर विशेष

देश को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली पत्रकारिता आजादी के बाद भी अलग-अलग परिदृश्यों में अपनी सार्थक जिम्मदारियों को निभा रही है। लेकिन मौजूदा दौर में पत्रकारिता दिनोंदिन मुश्किल बनती जा रही है। जैसे-जैसे समाज में अत्याचार, भ्रष्टाचार, दुराचार और अपराध बढ़ रहा है। पत्रकारों पर हमले की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। मीडिया और पत्रकारों पर हमला वही करते हैं या करवाते हैं जो इन बुराइयों में डूबे हुए हैं। ऐसे लोग दोहरा चरित्र जीते हैं। मीडिया जब इनके काले कारनामों की पोल खोलने लगता है तो ये बौखला जाते हैं और उन पर हमले करवाते हैं। पुलिस और शासन तंत्र भी इन्हीं का साथ देते हैं। दिखावे के तौर पर मामले दर्ज कर लिये जाते हैं लेकिन होता कुछ नहीं। ये हालात चिन्ताजनक हैं। भारत में हर वर्ष 16 नवम्बर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है। यह दिन भारत में एक स्वतंत्र और जिम्मेदार प्रेस की मौजूदगी का प्रतीक है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस, प्रेस की स्वतंत्रता एंव जिम्मेदारियों की ओर हमारा ध्यान आकृष्ट करता है। प्रथम प्रेस आयोग ने भारत में प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा एंव पत्रकारिता में उच्च आदर्श कायम करने के उद्देश्य से एक प्रेस परिषद की कल्पना की थी। परिणाम स्वरूप 4 जुलाई 1966 को भारत में प्रेस परिषद की स्थापना की गई जिसने 16 नवम्बर 1966 से अपना विधिवत कार्य शुरू किया। तब से लेकर आज तक प्रतिवर्ष 16 नवम्बर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के रूप में मनाया जाता है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस पत्रकारों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से स्वयं को फिर से समर्पित करने का अवसर प्रदान करता है।

मीडिया को समाज का दर्पण एवं दीपक दोनों माना जाता है। चाहे वे समाचार पत्र हों या समाचार चैनल, उन्हें मूलतः समाज का दर्पण माना जाता है। दर्पण का काम है वह समाज की हू-ब-हू तस्वीर समाज के सामने पेश कर सकें। परन्तु कभी-कभी निहित स्वार्थों के कारण ये समाचार मीडिया समतल दर्पण की जगह उत्तल या अवतल दर्पण की तरह काम करने लग जाते हैं। इससे समाज की उल्टी, अवास्तविक, काल्पनिक एवं विकृत तस्वीर भी सामने आ जाती है। तात्पर्य यह है कि खोजी पत्रकारिता के नाम पर आज पीली व नीली पत्रकारिता हमारे कुछ पत्रकारों के गुलाबी जीवन का अभिन्न अंग बनती जा रही है। भारतीय प्रेस परिषद ने अपनी रिपोर्ट में कहा भी है कि भारत में प्रेस ने ज्यादा गलतियां की है एंव अधिकारियों की तुलना में प्रेस के खिलाफ अधिक शिकायतें दर्ज हैं।

वर्तमान समय में पत्रकारिता का क्षेत्र व्यापक हो गया है। पत्रकारिता जन-जन तक सूचनात्मक, शिक्षाप्रद एवं मनोरंजनात्मक संदेश पहुंचाने की कला एंव विधा है। समाचार पत्र एक ऐसी उत्तर पुस्तिका के समान है जिसके लाखों परीक्षक एवं अनगिनत समीक्षक होते हैं। अन्य माध्यमों के भी परीक्षक एंव समीक्षक उनके लक्षित जनसमूह ही होते हैं। तथ्यपरकता, यथार्थवादिता, संतुलन एंव वस्तुनिष्ठता इसके आधारभूत तत्व है। परन्तु इनकी कमियां आज पत्रकारिता के क्षेत्र में बहुत बड़ी त्रासदी साबित होने लगी हैं। पत्रकार चाहे प्रशिक्षित हो या गैर प्रशिक्षित, यह सबको पता है कि पत्रकारिता में तथ्यपरकता होनी चाहिए। परन्तु तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर, बढ़ा-चढ़ा कर या घटाकर सनसनी बनाने की प्रवृति आज पत्रकारिता में बढने लगी है।

रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स (आरएसएफ) के 2025 विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत 180 देशों में से 151वें स्थान पर है। यह 2024 में 159वें और 2023 में 161वें स्थान से थोड़ा बेहतर है। लेकिन भारत अभी भी बहुत गंभीर प्रेस स्वतंत्रता श्रेणी में है। भारत नेपाल (90वां), मालदीव (104वां), श्रीलंका (139वां) और बांग्लादेश (149वां) जैसे पड़ोसी देशों से नीचे है। नॉर्वे, एस्टोनिया और नीदरलैंड प्रेस स्वतंत्रता में वैश्विक स्तर पर शीर्ष तीन प्रदर्शनकारी हैं। पहली बार, वैश्विक प्रेस स्वतंत्रता को आर्थिक दबावों के बढ़ने के कारण कठिन स्थिति में देखा जा रहा है।

भारत जैसे विकासशील देशों में मीडिया पर जातिवाद और सम्प्रदायवाद जैसे संकुचित विचारों के खिलाफ संघर्ष करने और गरीबी तथा अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाई में लोगों की सहायता करने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। क्योंकि लोगों का एक बहुत बड़ा वर्ग पिछड़ा और अनभिज्ञ है। इसलिये यह और भी जरूरी है कि आधुनिक विचार उन तक पहुंचाए जाएं और उनका पिछड़ापन दूर किया जाए ताकि वे सजग भारत का हिस्सा बन सकें। इस दृष्टि से मीडिया की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।

आजादी से पहले पत्रकारिता एक मिशन थी। आजादी के बाद यह एक व्यवसाय बन गई। आपात काल के दौरान जब प्रेस पर सेंसर लगा था। तब पत्रकारिता एक बार फिर थोड़े समय के लिए भ्रष्टाचार मिटाओं अभियान को लेकर मिशन बन गई थी। धीरे-धीरे पत्रकारिता प्रोडक्शन से सेन्सेशन एवं सेन्सेशन से कमीशन बन गई है। परन्तु इन तमाम सामाजिक बुराइयों के लिए सिर्फ मीडिया को दोषी ठहराना उचित नहीं है। समाज में हमेशा बदलाव आता रहता है। विकल्प उत्पन्न होते रहते हैं। ऐसी अवस्था में समाज असमंजस की स्थिति में आ जाता है। इस स्थिति में मीडिया समाज को नई दिशा देता है। मीडिया समाज को प्रभावित करता है, लेकिन कभी-कभी येन-केन प्रकारेण मीडिया समाज से प्रभावित होने लगता है।

हालांकि प्रेस जहां एक तरफ जनता का आइना होता है। वहीं दूसरी ओर प्रेस जनता को गुमराह करने में भी सक्षम होता है। इसीलिए प्रेस पर नियन्त्रण रखने के लिए हर देश में अपने कुछ नियम और संगठन होते हैं। जो प्रेस को एक दायरे में रहकर काम करते रहने की याद दिलाते हैं। प्रेस की आजादी को छीनना भी देश की आजादी को छीनने की तरह ही होता है। चीन, जापान, जर्मनी, पाकिस्तान जैसे देशों में प्रेस को पूर्णतः आजादी नहीं दी गयी है। यहां की प्रेस पर सरकार का सीधा नियंत्रण है। इस लिहाज से हमारा देश भारत उनसे बहुत अधिक ठीक है। आज मीडिया के किसी भी अंग की बात कर लीजिये हर जगह दाव-पेंच का असर है। खबर से ज्यादा आज खबर देने वाले का महत्व हो चला है। लेख से ज्यादा लेख लिखने वाले का महत्व हो गया है। पक्षपात होना मीडिया में भी कोई बड़ी बात नहीं है। जो लोग मीडिया से जुड़ते हैं, अधिकांश का उद्देश्य जन जागरूकता फैलाना न होकर अपनी धाक जमाना ही अधिक होता हैं।

कुछ लोग खुद को स्थापित करने लिए भी मीडिया का रास्ता चुनते हैं। कुछ लोग चंद पत्र-पत्रिकाओं में लिखकर अपने समाज के प्रति अपने दायित्व की इतिश्री कर लेते हैं। छदम नाम से भी मीडिया में लोगों के आने का प्रचलन बढ़ा है। सत्य को स्वीकारना इतना आसान नहीं होता है और इसीलिए कुछ लोग सत्य उद्घाटित करने वाले से बैर रखते हैं। लेकिन फिर कुछ लोग मीडिया में अपना सब कुछ दाव पर लगाकर भी इस रास्ते को ही चुनते हैं और अफसोस की फिर भी उनकी वह पूछ नहीं होती जिसके की वे हकदार होते हैं। दुनिया भर के लोकतांत्रिक देशों में कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका के साथ प्रेस को चैथा खंभा माना जाता है। प्रेस इनको जोडने का काम करती है। प्रेस की स्वतंत्रता के कारण ही कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका को मजबूती के साथ आम आवाम की भावना को अभिव्यक्त करने का अवसर हासिल हुआ है। कभी कभी प्रेस पर तिल को ताड़ बनाने का आरोप लगाया जाता है हालाँकि यह पूरी तरह सच नहीं है। आजादी के बाद प्रेस पर बहुत जिम्मेदारी आ गई।

खबरों में पक्षधरता एवं अंसतुलन भी प्रायः देखने को मिलता है। इस प्रकार खबरों में निहित स्वार्थ साफ झलकने लग जाता है। आज समाचारों में विचार को मिश्रित किया जा रहा है। समाचारों का सम्पादकीयकरण होने लगा है। विचारों पर आधारित समाचारों की संख्या बढने लगी है। इससे पत्रकारिता में एक अस्वास्थ्यकर प्रवृति विकसित होने लगी है। समाचार विचारों की जननी होती है। इसलिए समाचारों पर आधारित विचार तो स्वागत योग्य हो सकते हैं, परन्तु विचारों पर आधारित समाचार अभिशाप की तरह होते हैं।

फड़णवीस ने मूर्तिकार राम सुतार को महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार प्रदान किया

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस शुक्रवार को वरिष्ठ मूर्तिकार राम सुतार के नोएडा स्थित आवास पहुंचे और उन्हें 2024 के लिए महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार तथा संस्कृति मंत्री आशीष शेलार भी उपस्थित थे। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी समेत प्रतिष्ठित कृतियों के लिए प्रसिद्ध सुतार भारत के सबसे प्रसिद्ध मूर्तिकारों में से एक हैं। फडणवीस ने 20 मार्च 2025 को विधानसभा में राम सुतार को राज्य सरकार का सर्वोच्च सम्मान दिए जाने की घोषणा की थी। इस पुरस्कार में 25 लाख रुपये की नकद राशि, प्रशस्ति पत्र और एक पदक शामिल है।

गोल्डन बॉन्ड : बाल दिवस पर आनंद वृद्धाश्रम में स्नेह मिलन व रंगारंग कार्यक्रम सम्पन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। बाल दिवस के उपलक्ष्य में रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर तथा इंटरेक्ट क्लब, दीप ग्लोबल स्कूल सरावली के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार 14 नवंबर 2025 को सुबह 9.30 बजे से 12.30 बजे तक आनंद वृद्धाश्रम, सातपाटी रोड पालघर में ह्लगोल्डन बॉन्डह्व स्नेह मिलन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों और वृद्धजन के बीच भावनात्मक जुड़ाव देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यार्थियों द्वारा भजन, गीत एवं विभिन्न प्रकार के मनोरंजक खेलों की प्रस्तुति से हुई, जिसने वृद्धाश्रम के रहवासियों के चेहरे पर मुस्कान बिखेर दी। बच्चों के उत्साह और प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को आनंदमय बना दिया। इस अवसर पर बुजुर्गजनों के लिए स्वादिष्ट अल्पाहार की व्यवस्था की गई तथा दीप ग्लोबल स्कूल के विद्यार्थियों ने दैनिक उपयोग की विभिन्न आवश्यक सामग्री भेंट स्वरूप प्रदान की। रोटरी क्लब के सदस्यों ने भी बुजुर्गजनों के साथ समय बिताकर उनके जीवन अनुभवों को सुनने का सौभाग्य प्राप्त किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वृद्धजनों के प्रति सम्मान, प्यार और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहन देना था, जो पूरी तरह सफल रहा। इस आयोजन की सफलता में प्रोजेक्ट डायरेक्टर स्मिता जाधव, दीप ग्लोबल स्कूल की प्रिंसिपल मिसेज वृंदा कुलकर्णी तथा प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर रत्ना सिंह का विशेष योगदान रहा। स्कूल की ओर से 75 विद्यार्थी, 2 शिक्षक एवं प्रिंसिपल वृंदा कुलकर्णी मैडम उपस्थित रहीं। रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर की ओर से प्रेसिडेंट राम नारायण गोयल, पास्ट प्रेसिडेंट जगदीश भूते व वैशाली शिंदे, रो. अनिल जगदाले, रो. संध्या शाहापुरे, रो. स्मिता जाधव, रो. रत्ना सिंह, रो. रेखेश जैन, रो. अलका जैन, रो. कमलेश हमबीरे, लक्ष्मण जाधव, मिसेज वृषाली कदम एवं मिसेज गीता हमबीरे ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। समापन अवसर पर आनंद वृद्धाश्रम की संचालक मिसेज मनीषा कोटक ने सभी अतिथियों, विद्यार्थियों और आयोजकों का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी ऐसे सकारात्मक और प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित करने की आशा जताई। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु क्लब प्रेसीडेंट रामनारायण गोयल, प्रिंसीपल वृंदा कुलकर्णी, रो. स्मिता जाधव व रो. रत्ना सिंह ने सभी आगंतुकों व विद्यार्थियों के प्रति आभार जताया।

मिनिमल फिर भी अर्थपूर्ण केनडियर के किफायती लक्जरी आभूषण

मुंबई। आज की भागदौड़ भरी दुनिया में, लक्जरी के मायने बदल रहे हैं। खास मौकों के लिए अपनी सबसे बेहतरीन ज्वेलरी को सहेजना अब लक्जरी नहीं रहा, बल्कि हर दिन, हर पल की खूबसूरती को ऐसे आभूषणों के साथ सजाया जाए जो आपकी जीवनशैली के साथ तालमेल बिठाते हैं: ऐसे आभूषण जो अंडरस्टेटेड, फंक्शनल और रिफाइंड हों। केनडियर बाए कल्याण ज्वैलर्स अपने किफायती, उच्च-गुणवत्तापूर्ण, और खूबसूरती से डिजाइन किए गए आभूषणों के साथ इस आधुनिक दृष्टिकोण का समर्थन करता है।

इन आभूषणों को आप हर रोज पहन सकती है। उनकी हर रचना में शिल्प कौशल और सहजता का मिलाप है, वह साबित करती है कि सोफिस्टिकेशनको केवल दुर्लभ पलों के लिए बचा कर रखने की जरूरत नहीं है। यह रही वो ज्वेलरी जो आपके लिए हैं एकदम जरूरी- इन्हें आप हर दिन पहनना चाहेंगे। ये बहुत ही आसानी से स्टाइलिश, बारीकी से अपनी बात कहती हुई और पूरी तरह से आप ही की तरह हैं। यह आभूषण वो छोटे-छोटे डिटेल्स हैं, जो खामोशी से आपके स्टाइल की कहानी बयां करते हैं। उनमें से पांच ऐसे आभूषणों के बारे में निचे बताया गया है, जो आपके हर दिन में थोड़ी चमक और अर्थ भर देंगे।

भाजपा के 5 वरिष्ठ नगरसेवक शिवसेना शिंदे पक्ष में प्रवेश

उल्हासनगर में शिवसेना की ताकत बढ़ी

चेतन निर्मल संवाददाता
उल्हासनगर(उत्तरशक्ति)। उल्हासनगर महानगरपालिका के बीजेपी के पाँच वरिष्ठ नगरसेवकों ने हाल ही में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में शिवसेना में प्रवेश किया है। इस प्रवेश से उल्हासनगर में शिवसेना की ताकत बढ़ी है।

जिन नेताओं ने शिवसेना का धनुष-बाण चिन्ह थामा है, उनमें बीजेपी के वरिष्ठ नगरसेवक जमनू पुरसवानी, प्रकाश मखीजा, महेश सुखरामानी, किशोर वनवारी और मीना सोंडे शामिल हैं।

बतादे की जमनू पुरसवानी लगातार पाँच बार चुनाव जीत चुके हैं और 1984 से बीजेपी के कार्यकर्ता रहे हैं। उल्हासनगर महानगरपालिका में वे 17 साल तक गटनेता भी रहे हैं। सिंधी समाज से आने वाले पुरसवानी पिछले 25 वर्षों से नगरसेवक हैं। उन्होंने दो बार बीजेपी जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाली थी।

लोकल नेतृत की कार्यशैली से परेशान होकर उल्हासनगर के पुराने और वरिष्ठ कार्यकताओं ने पार्टी छोड़ने का फैसला लिया। ऐसी चर्चा जोरदार चल रही है। शिवसेना के मुख्य नेता और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जिस तरह ठाणे शहर का विकास किया, वैसा ही विकास उल्हासनगर में भी हो–इसी सोच के साथ पाँचों नगरसेवकों ने शिवसेना में अधिकृत रूप से प्रवेश किया है आने वाले समय मे चुनाव को ध्यान में रखते हुए उल्हासनगर से शिवसेना में और भी नेताओं के प्रवेश की संभावना है।

राहुल एजुकेशन द्वारा आचार्य पवन त्रिपाठी का सम्मान

भायंदर (उत्तरशक्ति)। देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन द्वारा आज मुंबई भाजपा का महामंत्री बनाए जाने पर श्री सिद्धिविनायक मंदिर न्यास के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी का सम्मान किया गया। शिक्षण संस्थान के सचिव राहुल तिवारी तथा युवा भाजपा नेता एडवोकेट राजकुमार मिश्र ने शॉल और पुष्पगुच्छ द्वारा उनका सम्मान किया। राहुल तिवारी ने कहा कि आचार्य पवन त्रिपाठी को महामंत्री बनाए जाने से उत्तर भारतीय समाज का गौरव बढ़ा है। उन्होंने कहा कि आने वाले महानगर पालिका चुनाव में भाजपा को इसका स्पष्ट फायदा होगा। आचार्य पवन त्रिपाठी ने दिए गए सम्मान के लिए राहुल एजुकेशन के प्रति आभार मानते हुए कहा कि वे अपेक्षित कर्तव्यों का निर्वहन पूरे मनोयोग और समर्पित भावना के साथ करेंगे।

निर्वाचन आयोग ने बिहार चुनाव के दौरान योजना निधि के वितरण की अनुमति कैसे दी: शरद पवार

बारामती। राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को कहा कि महिलाओं के लिए घोषित उद्यमिता योजना ने बिहार चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की प्रचंड जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके साथ ही उन्होंने आश्चर्य जताया कि निर्वाचन आयोग ने चुनावों के दौरान इस योजना के तहत धन वितरण की अनुमति कैसे दी।

पवार ने बारामती में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि बिहार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) मुख्यमंत्री के नाम पर मिलकर फैसला करेंगी। उन्होंने कहा, बिहार चुनाव के नतीजे (मुख्यमंत्री) नीतीश कुमार की भविष्यवाणी से अलग नहीं थे। महिलाओं ने चुनाव अपने हाथ में ले लिया। मुझे पहले लगा था कि महिलाओं के बैंक खातों में 10,000 रुपये जमा कराए जाने संबंधी योजना ने (राजग के पक्ष में) माहौल बनाया। पवार मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का जिक्र कर रहे थे, जिसके तहत बिहार में हर परिवार की एक महिला सदस्य को अपना उद्यम स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता दिए जाने का प्रावधान है। उन्होंने आश्चर्य जताया कि निर्वाचन आयोग ने चुनावों के दौरान इस योजना के तहत धन वितरण की अनुमति कैसे दी।

पवार ने कहा, निर्वाचन आयोग को सोचना चाहिए कि क्या (बिहार सरकार की ओर से इस योजना के तहत) धन वितरण सही था। उन्होंने भविष्य में होने वाले चुनावों में भी बिहार की तर्ज पर धन वितरण संबंधी योजनाएं लागू किए जाने की आशंका जताई। राकांपा (एसपी) प्रमुख ने कहा, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान भी (लाडकी बहिन योजना के तहत) महिलाओं के खातों में आधिकारिक तौर पर राशि जमा कराई गई थी। अगर सत्तारूढ़ दल चुनावों में इसी तरह की रणनीति अपनाते हैं, तो इससे लोगों का विश्वास और चुनाव प्रक्रिया दोनों प्रभावित होंगे। पवार ने महाराष्ट्र में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान राकांपा (एसपी) और अपने भतीजे एवं उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के बीच संभावित गठबंधन के बारे में पूछे गए सवालों का सीधा जवाब देने से परहेज किया। उन्होंने कहा, मुझे किसी भी जिले में (राकांपा के दोनों गुटों के बीच गठबंधन के सिलसिले में) बातचीत के बारे में कोई जानकारी नहीं है। राकांपा (एसपी) में हुई चर्चा के अनुसार, स्थानीय नेता नगर पंचायत और पंचायत समिति चुनावों के दौरान (गठबंधन बनाने पर) फैसला लेंगे।

पालघर जिला परिषद में श्रद्धापूर्वक मनाई गई जननायक बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर में शनिवार 15 नवंबर 2025 को जननायक बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती सादगी, सम्मान व श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस मौके पर तंत्रस्नेही शिक्षक तानाजी डावरे, आनंद अनेमवाड, संगणक विशेषज्ञ सतीश साबले सहित जिला परिषद के अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। सभी ने बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी।

ज्ञात हो कि जननायक बिरसा मुंडा पूरे देश में आदिवासी समाज के महान क्रांतिकारी, समाजसुधारक और स्वतंत्रता संग्राम के अद्वितीय योद्धा के रूप में जाने जाते हैं। ब्रिटिश शासन के विरुद्ध उन्होंने उलगुलान नामक ऐतिहासिक जनआंदोलन का नेतृत्व किया, जिसने आदिवासियों के हक, जंगलझजमीन की सुरक्षा और सामाजिक सम्मान की लड़ाई को नई दिशा दी। अंधविश्वास, शोषण व अन्याय के खिलाफ जोरदार आवाज उठाते हुए उन्होंने आदिवासी समाज में आत्मनिर्भरता, शिक्षा और जागरूकता का संदेश पहुँचाया। उनके अदम्य साहस, नेतृत्व व त्याग के कारण ही उन्हें जननायक की उपाधि से सम्मानित किया गया है। ऐसे महापुरुष की जयंती पालघर जिला परिषद में बड़े आदर व भावनात्मक वातावरण में मनाई गई तथा उनके आदर्शों को स्मरण करते हुए समाज के विकास और उत्थान का संकल्प लिया गया।

आइटेल ने A90 लिमिटेड एडिशन स्मार्टफोन लॉन्च किया

मुंबई। भारत के अग्रणी टेक्नोलॉजी ब्रांड आइटेल ने अपने लोकप्रिय A90 लिमिटेड एडिशन का नया 128GB स्टोरेज वेरिएंट लॉन्च किया है।

टिकाऊ, भरोसेमंद और किफायती प्रोडक्ट्स के लिए पहचाना जाने वाला आइटेल इस नए मॉडल को स्टाइल, परफॉर्मेंस और मजबूती के बेहतरीन संयोजन के साथ पेश कर रहा है। यह स्मार्टफोन भारतीय उपभोक्ताओं के लिए पावर और प्राइस का आदर्श संतुलन प्रस्तुत करता है।

आइटेल A90 लिमिटेड एडिशन को कंपनी के 3P प्रॉमिस के साथ विकसित किया गया है – धूल, पानी और गिरने से सुरक्षा। डिवाइस IP54 रेटिंग के साथ आता है, जिससे यह बारिश, धूल और हल्के स्पिलेज से सुरक्षित रहता है। सिर्फ 7,299 रुपये की आकर्षक कीमत में उपलब्ध यह स्मार्टफोन अब देशभर के रिटेल स्टोर्स पर बिक्री के लिए उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, आइटेल इस मॉडल पर 100 दिनों के भीतर फ्री स्क्रीन रिप्लेसमेंट की सुविधा भी प्रदान कर रहा है – जो इसे अपने प्राइस सेगमेंट में सबसे भरोसेमंद और मूल्य-संपन्न स्मार्टफोन बनाता है।

इस अपग्रेड की सबसे बड़ी खासियत इसका 128GB इंटरनल स्टोरेज है, जो उपयोगकर्ताओं को अपने रोजमर्रा के पलों को बिना किसी चिंता के कैप्चर और सुरक्षित रखने की आजादी देता है। इसके साथ 12GB (4GB + 8GB*) रैम मल्टीटास्किंग को बेहद सहज और तेज बनाती है–चाहे आप सोशल मीडिया के बीच स्विच कर रहे हों, एंटरटेनमेंट स्ट्रीम कर रहे हों या चलते-फिरते काम संभाल रहे हों।

डिजाइन के मामले में, अ90 लिमिटेड एडिशन 128GB वेरिएंट अपने सिग्नेचर मैक्स डिजाइन के साथ और भी आकर्षक दिखाई देता है, जिसने A90 सीरीज को अपनी श्रेणी में अलग पहचान दिलाई है। यह स्मार्टफोन न केवल दिखने में स्टाइलिश है, बल्कि उपयोग के दौरान उतना ही मजबूत और भरोसेमंद भी साबित होता है। MIL-STD-810H मिलिट्री-ग्रेड सर्टिफिकेशन और IP54 प्रोटेक्शन इसे धूल, पानी और आकस्मिक गिरने से सुरक्षित रखते हैं। रोजमर्रा के उपयोग से लेकर त्योहारों की भागदौड़ तक, यह फोन हर परिस्थिति में टिकाऊ और विश्वसनीय है।

बाल दिवस के उपलक्ष्य में केसीएन क्लब द्वारा भव्य कार्यक्रम आयोजित

मुंबई(उत्तरशक्ति)। बाल दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन नोइंग सिटीजन्स नीड क्लब (केसीएन क्लब) द्वारा उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित मुक्त आकाश स्टडी सेंटर, 50 पॉकेट-4, शहीद पथ, सुशांत गोल्फ सिटी में विचार-मंथन बैठक एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ शिक्षाविद एवं मुक्त आकाश स्टडी सेंटर के प्रबंध निदेशक प्रो. मुक्तेश्वर ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में सोनभद्र रेनुकूट स्थित बिड़ला पावर प्लांट के वरिष्ठ इंजीनियर मोहम्मद मतलुफ खान उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में पूर्व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भगवान सिंह यादव (पीसीएस), पूर्व पुलिस अधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, वरिष्ठ साहित्यकारा उमा त्रिगुणायत, कथक नृत्यांगना एवं पंडित बिरजू महाराज की शिष्या रेणु शर्मा, वरिष्ठ सामाजिक क्रांतिकारी एवं परिवर्तन के अग्रणी नेता भारत गांधी विश्वात्मा, तथा केसीएन क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष नन्दन मिश्र त्यागी शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन ग्रीन एनर्जी कार्यकर्ता पवन पाण्डेय द्वारा किया गया। अपने संबोधन में प्रो. मुक्तेश्वर ने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने स्वतंत्र भारत को लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों की मजबूत नींव प्रदान की।

वरिष्ठ सामाजिक चिंतक भारत गांधी विश्वात्मा ने नेहरू जी के समाजवादी सिद्धांतों की सराहना करते हुए बताया कि उनके आदर्श आज भी भारत के विकास का मार्ग प्रशस्त करते हैं। केसीएन क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष नन्दन मिश्र त्यागी ने बच्चों को नशे की बढ़ती प्रवृत्ति से बचाने पर जोर देते हुए कहा कि नशा देश के विकास में सबसे बड़ी बाधा बनता जा रहा है; इसे जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए समाज में विशेष जनजागृति की आवश्यकता है। वरिष्ठ साहित्यकारा उमा त्रिगुणायत एवं कथक नृत्यांगना रेणु शर्मा ने केसीएन क्लब निर्झरिणी के साहित्यिक और सामाजिक योगदान की सराहना की। कार्यक्रम में आशीष बाजपेई, पत्रकार संतोष कुमार, एडवोकेट राधेश्याम मिश्र, एडवोकेट अमित पाण्डेय, शिक्षक साजिद खान, सतीश मौर्या, दिनेश धुरिया, शौरभ पाण्डेय, उत्तम मिश्र, रामचंद्र यादव, मतेंद्र विश्वकर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

फेम ने सिंगल-यूज फेशियल किट लॉन्च किया

मुंबई। डाबर के भरोसेमंद स्किनकेयर ब्रांड, फेम ने सिंगल-यूज फेशियल किट की कैटेगरी को नए सिरे से परिभाषित करते हुए, दो नई और बेहतरीन फेशियल किट लॉन्च करने की घोषणा की है। फेम नियासिनमाइड ग्लास ग्लो फेशियल किट और फेम हाइलूरोनिक लूमी ब्राइट फेशियल किट प्रसिद्ध अभिनेत्री सोनम बाजवा को इन नए उत्पादों के लिए ब्रांड फेस बनाया गया है। फेम की नई सिंगल-यूज फेशियल किट घर पर ही तुरंत और शानदार चमक पाने के लिए एक संपूर्ण 7-स्टेप रूटीन पेश करती हैं। ये किट शक्तिशाली एक्टिव तत्वों और बेहतरीन टेक्सचर के साथ तैयार की गई हैं, जो एक बार के इस्तेमाल में ही दमकती त्वचा सुनिश्चित करती हैं।

7-स्टेप का संपूर्ण अनुभव: बाजार में मौजूद सामान्य 5-स्टेप किट के विपरीत, फेम ने अपनी किट में सीरम और सनस्क्रीन को शामिल करके इसे 7-स्टेप का एक व्यापक और समग्र स्किनकेयर अनुभव बनाया है।

फेम की नई रेंज दो विशेष वेरिएंट्स में उपलब्ध है, जो अलग-अलग स्किनकेयर लक्ष्यों को पूरा करते हैं: फेम नियासिनमाइड ग्लास ग्लो फेशियल किट जो 24ङ गोल्ड और नियासिनमाइड से युक्त है, यह त्वचा की रंगत को एकसमान बनाकर एक शानदार शीशे जैसी चमक का वादा करती है; और दूसरी है फेम हाइलूरोनिक लूमी ब्राइट फेशियल किट जो प्योर डायमंड, हाइलूरोनिक एसिड और रेड एल्गी से समृद्ध है, यह त्वचा को गहराई से हाइड्रेट करती है, चिकना बनाती है और तुरंत एक चमकदार लूमी ब्राइट लुक प्रदान करती है। फेम इस लॉन्च को बढ़ावा देने के लिए एक 360-डिग्री डिजिटल-फर्स्ट मार्केटिंग कैंपेन चला रहा है। इस कैंपेन का नेतृत्व सोनम बाजवा करेंगी और इसमें मिस यूनिवर्स इंडिया, मनिका विश्वकर्मा, सहित कई प्रमुख ब्यूटी क्रिएटर्स शामिल होंगे। यह अभियान फेम की नई सौंदर्य फिलॉसफी चमक को नई परिभाषा देना पर केंद्रित है। विराट खन्ना, मार्केटिंग हेड- स्किन केयर, डाबर इंडिया लिमिटेड ने कहा: फेम की 7-स्टेप किट, सुविधा और बेहतरीन नतीजों की बढ़ती उपभोक्ता मांग को पूरा करने के लिए डिजाइन की गई है। सोनम बाजवा के इस लॉन्च का चेहरा होने से, हमें पूरा भरोसा है कि यह ब्रांड ब्यूटी उपभोक्ताओं के साथ गहरा जुड़ाव स्थापित करेगा।

इस लॉन्च के बारे में, अभिषेक जुगरान, एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट, मार्केटिंग, डाबर इंडिया लिमिटेड ने कहा: फेम की सिंगल-यूज फेशियल किट का लॉन्च डाबर की सौंदर्य यात्रा में एक नया अध्याय है।

यह हमारा पहला डिजिटल-आधारित लॉन्च है, जो इनोवेशन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। फेम हमेशा चमक और ट्रांसफॉर्मेशन का पर्याय रहा है, और यह लॉन्च नई पीढ़ी की जरूरतों को पूरा करता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

अनदेखी से नाराज लेखपालों का प्रदर्शन, मांगों पर कार्रवाई की गुहार

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। काफी समय से भत्ते आदि बढाये जाने की मांग करते चले आरहे लेखपालों का गुस्सा शनिवार को फुट पड़ा।

उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के बैनर तले एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करते हुए लेखपालों ने सम्पूर्ण

◆ उपजिलाधिकारी को सौंपा आठ सूत्रीय मांग पत्र

समाधान का बहिष्कार किया।और मुख्यमंत्री को सम्बोधित आठ सूत्रीय मांग पत्र उपजिलाधिकारी कुणाल गौरव को सौंपा। धरने का नेतृत्व करते हुए लेखपाल संघ के मंत्री विवेक सिंह ने कहा की उत्तर प्रदेश के लेखपालों की महत्वपूर्ण मांगे पिछले नौ वर्षों से लंबित होने के कारण विभागीय कर्मचारियों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। शिक्षण योग्यता में संशोधन, पदनाम परिवर्तन, प्रारंभिक वेतनमान उच्चीकरण, एसीपी विसंगति, मृतक आश्रित लेखपालों की पुरानी पेंशन संबंधी समस्याएँ, राजस्व निरीक्षक एवं नायब तहसीलदार के अतिरिक्त पदों का सृजन–इन सभी बिंदुओं पर शासन स्तर पर सहमति बनने के बावजूद अब तक प्रभावी कार्यवाही नहीं हो सकी है।

लेखपाल संगठन के अनुसार स्टेशनरी भत्ता 100 रुपये से बढ़ाकर 1000 रुपये मासिक करने, नियत यात्रा भत्ता के स्थान पर वाहन/

मोटरसाइकिल भत्ता अनुमन्य किए जाने तथा विशेष वेतन भत्ता 100 रुपये से बढ़ाकर 2500 रुपये प्रतिमाह किए जाने की मांग वर्षों से लंबित है। संगठन ने बताया कि प्रदेश के लगभग 3000 लेखपाल अपने परिवार से 500 से 1000 किलोमीटर दूर भय, तनाव और असुविधा के बीच सेवाएँ दे रहे हैं। 23 अगस्त 2018 के शासनादेश के अनुसार अंतर्मंडलीय स्थानांतरण हेतु परिषद द्वारा ऑनलाइन आवेदन तो मंगाए गए, लेकिन सूची आज तक जारी नहीं की गई, जबकि अन्य विभागों में हजारों कर्मचारियों के स्थानांतरण पूरे हो चुके हैं।

इसके अलावा मुख्यमंत्री द्वारा 02 जुलाई 2025 तथा 03 सितंबर 2025 को दिए गए निदेशों के बावजूद राजस्व निरीक्षक पद पर पदोन्नति हेतु चयन वर्ष 2025झ्र26 की डीपीसी अभी तक नहीं हो सकी है, जिससे कर्मचारियों में गहरी नाराजगी है। उक्त मौके पर लेखपाल इंजीनियर विकास सिंह, अमरजीत बिंद, सत्येंद्र यादव, ऋतुराज चौधरी, ज्योति तिवारी, रविकांत मौर्य सहित सैकड़ों लेखपाल मौजूद रहे।

सनराइज पब्लिक स्कूल में साइंस एक्जीविशन व फूड फेस्ट की धूम

बच्चों की नवाचार प्रतिभा देख अभिभावक हुए प्रभावित, पुलिस ने दिया ट्रैफिक सुरक्षा का संदेश; स्कूल में पत्रकारों को सम्मानित कर बढ़ाया मान

यातायात माह पर शाहगंज पुलिस की जागरूकता रैली रही आकर्षण का केंद्र

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सनराइज पब्लिक स्कूल में शनिवार को विज्ञान नवाचार, स्वाद और सामाजिक जागरूकता का अनोखा संगम देखने को मिला। स्कूल परिसर में आयोजित साइंस एक्जीबिशन और फूड फेस्ट में छात्रों ने अपनी प्रतिभा एवं रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर शाहगंज पुलिस द्वारा यातायात माह के तहत निकाली गई जागरूकता रैली ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ा दी।

कार्यक्रम की शुरूआत रंगारंग स्वागत और प्रधानाचार्य के संबोधन के साथ हुई। साइंस एक्जीबिशन में छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण, सोलर एनर्जी, रोबोटिक्स, जल संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण तथा आधुनिक तकनीकी नवाचारों पर अपने मॉडल प्रस्तुत किए। अभिभावकों और अतिथियों ने बच्चों की कल्पनाशीलता और मेहनत की सराहना की।

इसी दौरान स्कूल प्रांगण में लगे फूड फेस्ट में विद्यार्थियों ने स्वास्थ्यवर्धक व्यंजन, पारंपरिक पकवान और फूड स्टॉल के

माध्यम से पाकझ्कला का कौशल दिखाया। उपस्थित लोगों ने बच्चों द्वारा बनाए गए विविध व्यंजनों का स्वाद लेकर उनका उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम के बीच शाहगंज पुलिस द्वारा सीओ अजीत सिंह चौहान के नेतृत्व में यातायात जागरूकता माह के तहत रैली निकाली गई, जिसमें छात्र-छात्राओं ने ट्रैफिक नियमों के प्रति जनता को जागरूक किया। पुलिस अधिकारियों ने हेलमेट, सीट बेल्ट, ओवरस्पीडिंग पर रोक और सुरक्षित ड्राइविंग के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन की ओर से स्थानीय पत्रकारों को सम्मानित किया गया। विद्यालय की डायरेक्टर श्रीमती जागृति चित्रवंशी ने कहा कि पत्रकार समाज का आईना होते हैं और उनकी भूमिका लोकतंत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण है। पत्रकारों को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। समारोह में विद्यालय प्रबंधक डॉक्टर ज्ञानचंद चित्रवंशी, डॉक्टर सुधांशु चित्रवंशी, डॉक्टर हिमांशू चित्रवंशी, प्रियंका सहित शिक्षकझ्शिक्षिकाएँ, अभिभावक और विद्यार्थी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य बृजेश कुमार पाठक ने स्कूल की ओर से सभी बच्चों को उत्साहवर्धन और बेहतर प्रदर्शन के लिए बधाई दी गई। कार्यक्रम का संचालन हसन ने किया।

हृदय गति रुकने से चार्टर्ड अकाउंटेंट रमेश कुमार लालता प्रसाद प्रजापति का मुम्बई में हुआ निधन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रमेश कुमार लालता प्रसाद प्रजापति का हृदय गति रुकने से मुंबई में गत 8 नवंबर 2025 को निधन हो गया। वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिला तहसील शाहगंज के ग्राम सभा निजामपुर के रहने वाले थे। वह कमरा नंबर दो शंकर कदम चाल शास्त्री नगर कलिना चर्च के पीछे कलीना सांताक्रूज मुंबई में रहकर चार्टर्ड अकाउंटेंट का काम कर अपना व अपने परिवार का भरण पोषण करते थे। परंतु अचानक हृदय गति रुकने से उनका निधन हो गया उनके निधन की खबर सुन उनके सगे संबंधी व समाज के लोगों में शोक की लहर दौड़ गई। उनका दाह संस्कार मुंबई के कलिना में किया गया। इस अवसर पर जौनपुर स्थित उनके आवास पर सगे संबंधियों एवं समाज के लोगों ने एक शोक सभा कर मृतक की आत्मा को शांति के लिए ईश्वर से अपने श्री चरणों में स्थान देने की प्रार्थना की। वह अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

बरसठी में चला विशेष वाहन चेकिंग अभियान, बिना कागजात वालों पर कड़ा एक्शन

दिनेश विश्वकर्मा

बरसठी,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से शनिवार को बरसठी थाना पुलिस ने क्षेत्र में विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस टीम ने मियाचक बाजार तिराहे सहित प्रमुख मार्गों पर दोपहिया और चारपहिया वाहनों की सघन जांच की। अभियान में करीब 400 से अधिक वाहनों को रोककर उनके कागजात, नंबर प्लेट और सुरक्षा उपकरणों की जांच की गई। चेकिंग के दौरान बिना कागजात, बिना हेलमेट, नंबर प्लेट गायब, तथा ओवरलोडिंग जैसे नियम उल्लंघन पाए जाने पर सात वाहनों को मौके पर ही सीज कर दिया गया। इनमें दो चारपहिया बसें, एक टेंपो और चार मोटरसाइकिलें शामिल हैं। वहीं कई वाहन चालकों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई भी की गई।

थाना प्रभारी ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों में सुरक्षा व यातायात नियमों के प्रति जागरूकता लाना है। उन्होंने कहा कि आगे भी बिना कागजात, बिना हेलमेट और ओवरलोडिंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से नियम तोड़ने वालों में हड़कंप मचा रहा, जबकि आम राहगीरों ने सुरक्षित यातायात व्यवस्था के लिए इस अभियान का स्वागत किया।

काव्य लेखन प्रतियोगिता में प्रिया अव्वल

दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान में मिशन शक्ति फेज-5 के तहत हुई प्रतियोगिता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि

संस्थान में मिशन शक्ति फेज-5 के अंतर्गत काव्य लेखन प्रतियोगिता का आयोजन शुक्रवार को हुआ। इस आयोजन में छात्र-छात्राओं ने अपनी रचनाओं के माध्यम से सामाजिक जागरूकता, संवेदनशीलता और रचनात्मक अभिव्यक्ति का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। यह कार्यक्रम मिशन शक्ति की डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की उल्लेखनीय सहभागिता रही। निर्णायक मंडल द्वारा सूक्ष्म परीक्षण के उपरांत प्रिया मोर्य को प्रथम स्थान, कीर्ति सिंह को द्वितीय स्थान तथा प्रिया तिवारी एवं अभितांश यादव को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्रदान किया गया।

प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ. अनुराग मिश्र एवं डॉ. अंकित कुमार द्वारा किया गया। निर्णायकों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि सामाजिक चेतना और अभिव्यक्ति कौशल को भी सशक्त बनाते हैं। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन सुश्री प्रगति सिंह ने किया। उन्होंने बताया कि मिशन शक्ति के अंतर्गत यह श्रृंखला छात्र-छात्राओं में रचनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करने का सतत प्रयास है, जिससे वे अपनी अभिव्यक्तियों के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन में सहभागी बन सकें।

कुशीनगर को हराकर मुजफ्फरनगर जीता

मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज के मैदान में 49वीं जूनियर बालक अंतर-जोनल (सुपर लीग) राज्य स्तरीय कबड्डी चैंपियनशिप का हुआ भव्य शुभारंभ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मोहम्मद हसन पी.जी. कॉलेज के खेल मैदान पर आयोजित 49वीं जूनियर बालक अंतर-जोनल (सुपर लीग) राज्य स्तरीय कबड्डी चैंपियनशिप 2025 का उद्घाटन बुधवार को सिटी मजिस्ट्रेट जौनपुर इंद्रनंदन सिंह एवं कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। यह प्रतियोगिता 15 से 17 नवंबर तक आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रदेश की सुपर 16 टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। इसी प्रतियोगिता के आधार पर उत्तर प्रदेश कबड्डी टीम का चयन किया जाएगा, जो ऑल इंडिया स्तर पर प्रतिभाग करेगी। पहला मुकाबला मुजफ्फरनगर तथा कुशीनगर के बीच खेला गया, जिसमें टीम मुजफ्फरनगर ने जीत दर्ज की।

मुख्य अतिथि सिटी मजिस्ट्रेट ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल से अनुशासन के साथ-साथ मानसिक एवं शारीरिक विकास होता है। इस तरह का आयोजन जनपद के लिए गौरव की बात है। उन्होंने जिला कबड्डी एसोसिएशन जौनपुर को इस भव्य आयोजन के लिए बधाई दी।

कार्यक्रम में विशेष रूप से किरनपाल सिंह अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी, एशियाड गोल्ड मेडलिस्ट नासिर खां प्रधानाचार्य, मोहम्मद हसन इंटर कॉलेज रवि चंद्र यादव जिला सचिव, कबड्डी सुरेश सिंह टेक्निकल चेयरमैन, उत्तर प्रदेश कबड्डी राकेश कुमार यादव, लाल साहब यादव, राजेश सिंह मुन्ना, अतुल प्रकाश यादव, आनंद यादव, जीवनराम यादव, अखिलेश यादव, सर्वेश, अमित, मो. किरमानी, मो. जैश

उपस्थित रहे। निर्णायक मंडल में जयशंकर पाण्डेय, अवनीश कुमार राय, मो. अकरम, रामपाल, नरेन्द्र सिंह, संजीव सिंह, जय नारायण दुबे मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजेश सिंह एवं मंगल यादव ने किया।

वाराणसी के दाल मंडी में भारी फोर्स के साथ शुरू हुआ ध्वस्तीकरण

10 मिनट में दुकान खाली करने का आया आदेश

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के दालमंडी चौड़ीकरण को लेकर शनिवार को ध्वस्तीकरण की कार्रवाई फिर से शुरू की गई। भारी फोर्स के साथ वीडीए द्वारा चिन्हित 12 भवन में से पहले भवन पर कर्रवाई शुरू

हो गई और साथ ही दुकानदारों को 10 मिनट के अंदर मकान खाली करने को बोला गया है। दालमंडी चौड़ीकरण योजना में 10 मीटर सड़क चौड़ी होगी। पीडब्ल्यूडी के अधिकारी के अनुसार दालमंडी में दोनों तरफ 10 (पांच-पांच) मीटर की सड़क, 6.4 (3.2-3.2) मीटर का फुटपाथ और एक (आधा-आधा) मीटर की केसी ड्रेन नाली है। इस प्रकार कुल 17.4 मीटर में काम होगा। फुटपाथ के नीचे सभी जनसुविधाओं को भूमिगत किया जाएगा।

65 लाख बुजुर्गों को मिलेगा तोहफा, अब एक कॉल पर बनेगी पेंशन

योगी सरकार का बड़ा ऐलान

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। योगी आदित्यनाथ सरकार ने बुजुर्गों के सम्मान और सुरक्षा को नई मजबूती देते हुए वृद्धावस्था पेंशन व्यवस्था में ऐतिहासिक सुधार की राह खोल दी है। सरकार ने संकेत दिए हैं कि अब पेंशन पाने के लिए बुजुर्गों को लंबी-चौड़ी औपचारिकताओं से नहीं गुजरना पड़ेगा। 60 वर्ष की आयु पूरी होते ही विभाग की ओर से वरिष्ठ नागरिकों को फोन कॉल किया जाएगा और उनकी सहमति मिलते ही पेंशन प्रक्रिया स्वतः शुरू हो जाएगी।

इस पहल का लक्ष्य राज्य के लगभग *65 लाख बुजुर्गों* को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाना है। फैमिली आईडी से जुड़े ऑटोमेशन के जरिए पात्रता स्वतः निर्धारित होगी, जिससे पारदर्शिता और सुविधा दोनों में बढ़ोतरी होगी। इसी के साथ कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण सामाजिक कल्याण प्रस्तावों पर मुहर लगने की तैयारी भी तेज हो गई है। योगी सरकार की यह योजना प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों को स्वाभिमान और सम्मान से जीने की नई ताकत देने वाली साबित होगी।

जनता मेडिकल स्टोर का चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल ने फीता काटकर किया उद्घाटन

मेडिकल स्टोर खुलने से केराकत नगर वासियों को मिलेगी राहतः कृष्णा जायसवाल

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत नगर के मोहल्ला नरहन में नगर के मध्य जनता मेडिकल स्टोर

खोला गया। शनिवार को जनता मेडिकल स्टोर का केराकत नगर पंचायत की अध्यक्ष ज्योति कृष्णा जायसवाल द्वारा पिता काटकर उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष ज्योति कृष्णा जायसवाल ने कहा कि मैं सर्वप्रथम मारूफ खान दरोगा चाचा जी को धन्यवाद देती हूँ कि इन्होंने जो मेडिकल स्टोर खोल करके लोगों की सेवा के लिए यह कार्य प्रारंभ किया है आप दिन दूनी और रात चौगुनी तरक्की करें और हमारे केराकत नगर वासियों की सेवा इसी तरह करते रहें। उद्घाटन के अवसर पर अध्यक्ष पति प्रतिनिधि युवा नेता कृष्णा जायसवाल गोलू ने कहा कि अब जनता मेडिकल स्टोर नगर के मध्य खुलने से नगर वासियों व्यापारियों आदि जरूरतमंद लोगों को अब कम दामों में दवाइयों को ले सकेंगे। अब जरूरतमंद लोगों को काफी राहत मिलेगी।

खॉन तहसील अध्यक्ष जिला ईंट निमार्ता समिति जौनपुर नें भी शिरकत किये।और इन्होंने आये हुए सभी अतिथियों का सम्मान पूरक स्वागत किया और मिष्ठान खिलाकर बधाई दी। उद्घाटन समारोह में सहडोल मध्यप्रदेश से भी कुछ खास मेहमान तशरीफ लाए हुए थे। इस अवसर पर सभासद फिरोज खान, विनोद मास्टर सिहौली, वकील अंसारी, पूर्व सभासद मोहम्मद असलम खान, सहित काफी संख्या में केराकत नगर की जनता पत्रकारगण एवं सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे।

18 माह से ग्राम प्रधान और सचिव पर वेतन न देने का सफाई कर्मी ने लगाया आरोप

◆ एसडीएम ने मामले का लिया संज्ञान

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। एक गरीब महिला सफाई कर्मी के वेतन गबन करने का मामला प्रकाश में आया हैं।पीड़ित महिला सफाई कर्मी ने एसडीएम से वेतन

तीन दिन के अंदर दिलवाया जाएगा गरीब का वेतनः एसडीएम

इस सम्बंध में जब उपजिलाधिकारी कुणाल गौरव से पूछा गया तो उन्होंने कहा की मामला संज्ञान में है।सम्बन्धित को निर्देश दिया गया है की तीन दिन के अंदर उक्त गरीब महिला सफाई कर्मी के मामले का निस्तारण करते हुए उसका बकाया वेतन दिलाया जाय। बताते चले की एसडीएम कुणाल गौरव कई गरीब महिलाओ और फरियादियों का मामला गम्भीरता से लेते हुए त्वरित कार्यवाई करते हुए न्याय दिलाने का काम किया है।

दिलाने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम समेसा निवासी उषा पत्नी स्व. रामजीत समैसा गॉव में बने सुलभ शौचालय में सफाई का काम करती है।शनिवार को स्थानीय तहसील परिसर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस पर प्रार्थना पत्र देते हुए कहा गॉव की प्रधान चमेला देवी और उसका बेटा जो सारा काम देखता है। और गांव

के सेक्रेटरी पर आरोप लगाते हुए कहा की 18 माह से वेतन नही दिया जा रहा है।वेतन की मांग करने पर प्रधान पुत्र और सचिव द्वारा काम से निकालने की धमकी दी जाती है।पीड़िता ने उपजिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देते हुए कार्यवाई की मांग की है।

युवाओं के मजबूत मन से बनेगा मजबूत राष्ट्रः डॉ.विनोद वर्मा

विश्वविद्यालय में 'मनोवैज्ञानिक प्राथमिक सहायता प्रशिक्षण' कार्यशाला संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग एवं वेलनेस केंद्र द्वारा आयोजित पाँच दिवसीय 'मनोवैज्ञानिक प्राथमिक सहायता (पीएफए) प्रशिक्षण' कार्यशाला का

समापन संकाय भवन के कांफ्रेंस हॉल में हुआ। कार्यशाला में विद्यार्थियों को 'देखो, सुनो, जोड़ो' के मूल सिद्धांतों पर आधारित मनोवैज्ञानिक प्राथमिक सहायता के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया गया।

समापन सत्र के मुख्य अतिथि उमानाथ सिंह मेडिकल कॉलेज के मनोचिकित्सक डॉ. विनोद वर्मा ने कहा कि युवाओं के मजबूत मन से मजबूत राष्ट्र का निर्माण होगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपने मानसिक स्वास्थ्य के लिए जागरूक होना होगा। नियमित दिनचर्या, व्यायाम और अनुशासित जीवन इसके लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हम अपने और अपने परिवार जनों के मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं का जितना जल्दी पहचान करेंगे उतना ही जल्दी उसका निराकरण कर पाएंगे।

अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष तथा कार्यशाला के संयोजक प्रोफेसर अजय प्रताप सिंह ने प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण न केवल शैक्षणिक दृष्टि से बल्कि सामाजिक रूप से भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध रहा। मनोवैज्ञानिक प्राथमिक सहायता से हम किसी व्यक्ति को सही समय पर नई राह दिखा सकते हैं।

आयोजन सचिव एवं वेलनेस केंद्र की नोडल अधिकारी डॉ. अन्नु त्यागी ने प्रशिक्षण की गतिविधियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि कार्यशाला के दौरान विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों से मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित जो सूचनाएं एकत्रित की गई हैं उसकी रिपोर्ट विद्यार्थी व्यक्तिगत रूप ले सकते है।

विभाग की शिक्षिका डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने आभार व्यक्त किया। कार्यशाला में छात्रों, शोधार्थियों, अध्यापकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने सुनी फरियादियों की समस्याएँ

जिलाधिकारी ने तत्काल कराया वरासत में नाम दर्ज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में तहसील बदलापुर के सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

समाधान दिवस में तहसील बदलापुर के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगो की समस्याओं एवं शिकायतों को जिलाधिकारी ने गंभीरता से सुना तथा त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

फत्तुपुर, बदलापुर निवासिनी पूनम गौतम द्वारा वरासत ऑनलाइन होने के बावजूद दर्ज न होने की शिकायत की गई, जिस पर जिलाधिकारी के द्वारा कानूनगो पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी जिसके क्रम में तत्काल वरासत में नाम दर्ज कराते हुए उन्हें अवगत कराया गया।

सुभाष चंद्र मौर्य निवासी बैरमा गडवारा बदलापुर ने चक मार्ग पर कब्जा को खाली कराने तथा अतिक्रमण हटवाने संबंधी प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया जिसपर जिलाधिकारी के द्वारा उपजिलाधिकारी बदलापुर को प्रकरण का निस्तारण करने के निर्देश दिये गये।

सुनीता देवी निवासी रारी ने आबादी एवं पट्टे

की भूमि पर अवैध कब्जा हटाने की मांग की, जिसपर राजस्व निरीक्षक को प्रकरण का निस्तारण करने के निर्देश दिये गये।

फूलचंद्र निवासी कदौदा, तहसील बदलापुर ने प्रार्थना पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि उनके बगल में स्थित नहर को भूमाफियाओं के द्वारा जबरन काटकर अपने खेत में मिला लिया गया है, जिसके कारण सिचाई करने में समस्या उत्पन्न हो रही है, जिस पर जिलाधिकारी के द्वारा शिकायत की जांच कर नियमानुसार कार्यवाही करते हुए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए।

संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने अनुपस्थित अधिकारियों एसपी ग्रामीण, सीएमओ, सीओ, उपनिदेशक कृषि, एक्सईएन सिंचाई, जिला कार्यक्रम अधिकारी सहित अन्य के प्रति नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी।

जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त सभी शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे आमजन को त्वरित राहत मिल सके।

जिलाधिकारी के समक्ष कुल 82 प्रकरण प्राप्त हुए जिनमें से 11 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया और अवशेष प्रार्थना पत्रों सम्बन्धित अधिकारियों को अग्रसारित करते गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिये गये।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी देवी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल, तहसीलदार योगेन्द्र पाण्डेय, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी दिव्या शुक्ला सहित अन्य जिलास्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

इस प्रकार समस्त तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया और फरियादियों की समस्याओं को सुना गया।

महाराजगंज में जदयू ने राजद को 6744 मतों से हराया

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के 112 महाराजगंज विधान सभा क्षेत्र से 2025 के विस सभा चुनाव में विजयी हुए एनडीए के प्रत्याशी हेमनारायण साह जेडीयू से हैं। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी विशाल कुमार जायसवाल (आरजेडी) को 6,744 मतों से हराया। महाराजगंज विधानसभा क्षेत्र में कुल 3,00,414 मतदाता हैं, जिनमें 1,58,858 पुरुष और 1,41,555 महिला मतदाता हैं। इस बार का चुनाव एनडीए के कुशल नेतृत्व का परिणाम बताया जाता है। सभी बिरादरी के महिलाएं व युवा-युवतियों ने नीतीश कुमार में विश्वास कर नया माई समीकरण के तहत बमफर वोट दिया है।

बिंद समाज विकास संघ ने सी.ए. के.आर. बिंद को समाज रत्न से किया सम्मानित

मुंबई। बिंद समाज विकास संघ द्वारा झवेर बेन पोपटलाल ऑडिटोरियम सभागृह हॉल घाटकोपर ईस्ट मुंबई मे आयोजित गत दिवस वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले महानुभावों को सम्मानित किया गया था। इस अवसर पर मुंबई के विद्या विहार निवासी चार्टर्ड अकाउंटेंट सी.ए. के. आर. बिंद को समाज के प्रति उनके निरंतर सहयोग, समर्पण और समाजहित में किए जा रहे सराहनीय कार्यों के लिए समाज रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि सी.ए. के.आर. बिंद सदैव समाज के विकास और उत्थान के लिए तत्पर रहते हैं तथा युवाओं को भी समाजसेवा के लिए प्रेरित करते हैं। उनके इस योगदान की सराहना करते हुए बिंद समाज विकास संघ ने उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया। सी.ए.के आर बिंद को समाज रत्न सम्मान मिलने पर उनके सगे-संबंधियों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

एकम्स ने वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही के नतीजे किए घोषित

मुंबई/नई दिल्ली। भारत के सबसे बड़े कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट और मैन्यूफैक्चरिंग आगेर्नाइजेशन (CDMO) एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही के अपने वित्तीय नतीजों को जारी किया है। CDMO सेगमेंट में कारोबार कंपनी की सबसे बड़ी कमाई का हिस्सा रहा। इस सेगमेंट से कम्पनी को 804 करोड़ की आमदनी हुई। उऌ्ड की बिक्री की मात्रा पिछले साल की तुलना में 7% बढ़ी, जबकि उद्योग में कुल वृद्धि बहुत कम रही। इससे पता चलता है कि एकम्स भारत में एक पसंदीदा CDMO पार्टनर है। घरेलू ब्रांडेड दवाइयों के कारोबार का राजस्व 22 करोड़ रहा और फोकस्ड पोर्टफोलियो मैनेजमेंट की वजह से इसका EBITDA मार्जिन 21.6% तक बढ़ गया। ब्रांडेड एक्सपोर्ट कारोबार पर कुछ देशों में मौसमी असर पड़ा, लेकिन फिर भी कंपनी ने 24.5% का अच्छा EBITDA बनाए रखा। इस क्वॉर्टर में कंपनी के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए एकम्स ड्रग्स & फार्मास्युटिकल्स के मैनेनिंग डॉयरेक्टर संजीव जैन ने कहा, इस तिमाही में हमारा प्रदर्शन एक डायनामिक बिजनेस माहौल में लॉन्गटर्म प्राथमिकताओं पर हमारे फोकस को दशार्ता है। जाम्बिया और यूरोप में उठाए गए कदम एक ग्लोबल CDMO बनने की हमारी इस अनवरत यात्रा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हैं।

भारत में 2060 तक धूम्रपान से 80 लाख लोगों की जान बचाई जा सकती है

मुंबई। तंबाकू सेवन आज भी विश्व के सबसे गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकटों में से एक है, जो हर साल 80 लाख से अधिक लोगों की जान लेता है। एक नई वैश्विक रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि देश 21वीं सदी की वैज्ञानिक प्रगति का पूरा उपयोग करें, जैसे तंबाकू से होने वाली हानि को कम करने की रणनीतियाँ, धूम्रपान छोड़ने के लिए प्रभावी सहायता प्रणाली, और रोगों की शुरूआती पहचान की पहलें, तो 2060 तक विश्वभर में 10 करोड़ से अधिक लोगों की जान बचाई जा सकती है। फिलहाल दुनिया में 1.1 अरब से अधिक धूम्रपान करने वाले लोग हैं, और तंबाकू से जुड़ी बीमारियाँ हर देश की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। यह महत्त्वपूर्ण रिपोर्ट लाइव्स सेव्ड: सेविंग 100 मिलियन लाइव्स बाय 2060 प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. डेरेक याच (प्रोजेक्ट लीडर) और डॉ. डेलॉन ह्यूमन द्वारा तैयार की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि वैज्ञानिक और नवाचार-आधारित दृष्टिकोण अपनाए जाएँ, तो तंबाकू से होने वाली मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। डॉ. डेरेक याच, प्रोजेक्ट लीडर, ने कहा, विश्व स्वास्थ्य संगठन का फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन टोबैको कंट्रोल अब विज्ञान और तकनीक की गति के अनुरूप नहीं है। अब समय आ गया है कि हम सुरक्षित विकल्पों की क्षमता को स्वीकार करें और हानि-नियंत्रण को प्राथमिकता दें। संधि की वर्तमान नीति, जो केवल प्रतिबंधों और कठोर नियमन पर केंद्रित है और जोखिम के स्तर में भेद नहीं करती, अब पुरानी पड़ चुकी है। हम किसी चमत्कार की प्रतीक्षा नहीं कर सकते, जीवन बचाने के लिए साहसिक कदम उठाने होंगे। आइए, हम सब मिलकर एक धूम्रपान-मुक्त भविष्य का संकल्प लें, जहाँ हानि-नियंत्रण आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करे। डॉ. डेलॉन ह्यूमन, को-ऑथर, ने जोड़ा, हमें तंबाकू नीति में एक रीसेट की जरूरत है, यानी नए संकल्प और दूरदर्शिता के साथ दिशा परिवर्तन।

भाजपा के पास मोदीजी रूपी ऑक्सीजन-प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण का प्रतिपादन

ठाणे/नवी मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्राणवायु जैसे हैं। इसलिए भाजपा के पास 24७7 ऑक्सीजन मौजूद है। कोई चाहे जितने भी हाइड्रोजन बम ले कर आए, लेकिन जीत हमेशा ऑक्सीजन की ही होती है। ऐसा प्रतिपादन भाजपा के महाराष्ट्र प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने शुक्रवार (14 नवंबर) को किया। बिहार विधानसभा चुनाव के आए नतीजों में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को शानदार सफलता मिली। इसके बाद भाजपा की ओर से मुंबई में विजय उत्सव मनाया गया। इस दौरान रविंद्र चव्हाण ने गमछा पहनकर भाजपाझप्रणीत एनडीए की जीत का उत्सव मनाया और कार्यकताओं को संबोधित भी किया। अपने संबोधन में प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने महाराष्ट्र के आगामी पालिका चुनावों का बिगुल फूंकते हुए कहा, बिहार विधानसभा चुनाव में जनता ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों को उनकी असली जगह दिखा दी है। अब महाराष्ट्र की स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनावों में भी हमें मिलकर उन्हें एक बार फिर उनकी सही जगह दिखानी है झ्व ऐसा प्रेरणादायी संदेश उन्होंने कार्यकताओं को दिया। बिहार में भारतीय जनता पार्टी ने 101 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिनमें से 89 सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की। भाजपा के इस 90% स्ट्राइक रेट की चर्चा राजनीतिक हलकों से लेकर सोशल मीडिया तक जोरों से हो रही है। भारत के राजनीतिक परिदृश्य में बिहार का विशेष और बड़ा महत्व है। बिहार की राजनीतिक परिस्थितियों का असर राष्ट्रीय राजनीति पर भी गहराई से पड़ता है। बिहार में एनडीए की इस जीत ने विपक्ष को पूरी तरह बैकफुट पर धकेल दिया है। इसी कारण, महाराष्ट्र में होने वाले आगामी स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव एकतरफा, यानी महायुति के पक्ष में जाने की प्रबल संभावना राजनीतिक विशेषज्ञ व्यक्त कर रहे हैं।

क्षेत्र में ट्रैफिक नियमों का सख़्त पालन कराने के लिए चेकिंग अभियान

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नवंबर माह में ट्रैफिक नियमों को लेकर पुलिस ने सख़्ती दिखाते हुए बड़े पैमाने पर चेकिंग अभियान चलाया। बिना हेलमेट चलने वालों, डग्गामार वाहनों तथा दोपहिया पर तीन सवारी बैठाने वाले चालकों पर पुलिस ने विशेष कार्रवाई की। चेकिंग अभियान उपनिरीक्षक बबन सिंह, हेड कांस्टेबल संजय यादव तथा पीसी संतोष यादव की टीम द्वारा लगातार किया गया। अभियान के दौरान सिहौली बाजार चौराहे पर पुलिस की कड़ी कार्रवाई से अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। कई वाहन चालकों को चालान किया गया तथा लोगों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक भी किया गया। पुलिस ने बताया कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

पतपेढ़ियों को बचाने के लिए बनेगा वसूली प्राधिकरण

मुंबई। महाराष्ट्र गृहनिर्माण स्वयं समूह पुनर्विकास प्राधिकरण व मुंबई बैंक के अध्यक्ष विधायक प्रवीण दरेकर ने कहा कि सहकारी पतपेढ़ियों के कर्ज वसूली के लिए वसूली प्राधिकरण बनाया जायेगा। दादर (पश्चिम) शिवाजी मंदिर में बृहन्मुंबई नागरी सहकारी पतसंस्था फेडरेशन की ओर से अंतर्राष्ट्रीय सहकार वर्ष 2025 और वसंतदादा पाटिल की जयंती अवसर पर आयोजित सहकार स्नेह सम्मेलन में उन्होंने कहा कि आम लोगों की समृद्धि के लिए पतपेढी ऋण संस्थाओं का बड़ा स्थान है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण यह है कि संग्रह के साथ वसूली के लिए भी काम करने होंगे। विधानमंडल की कार्यवाही में इस बात को प्रमुखता से उठाया जाएगा और वसूली प्राधिकरण बनाने की सरकार से मांग की जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर सहकारी संस्था बड़ी बने और ज़िला बैंक हमारी ज़िला बैंक हो, तो सबसे पहले हमें अपने बैंकों को सशक्त बनाना है। हमारा लेन-देन सहकारी संस्था में ही रहना चाहिए। इसलिए मैं यहाँ गर्व से कहता हूँ कि आम लोगों की समृद्धि के लिए यहाँ ऋण संस्थाओं का बड़ा स्थान है। सहकारी समिति में काम करते हुए, किसी भी जाति, पंथ, पार्टी से बढ़कर सहकारी समिति को मजबूत बनाने की दिशा में काम करने की जरूरत है। सहकारी कार्यकर्ताओं का विश्वास बढ़ाया जाना चाहिए। हमें अपने सदस्यों पर भरोसा है। जब हम अपनी जमा राशि और ग्राहकों पर भरोसा करते हैं, तो मुझे एहसास हुआ कि कोई भी ताकत हमारी सहकारी समिति को हरा नहीं सकती। बृहन्मुंबई नागरी सहकारी पतसंस्था फेडरेशन के अध्यक्ष व मुंबई बैंक के वरिष्ठ संचालक सहकार महर्षि शिवाजीराव नलावडे ने पतपेढ़ियों के कर्ज वसूली के लिए वसूली प्राधिकरण की मांग करते हुए कहा कि सहकार क्षेत्र में बड़ा बदलाव आया है। कोविड काल के दौरान से कर्ज वसूली प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि सहकार का भविष्य उज्ज्वल है बस हमें मिलकर आगे बढ़ने की जरुरत है।

समारोह में पतसंस्था परिवार पत्रिका के स्मारिका का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर विधायक प्रसाद लाड, महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक के प्रशासक विद्याधर अनास्कर, मुंबई बैंक के उपाध्यक्ष सिद्धार्थ कांबले, सहकारी संस्था जिला उपनिबंधक नितिन काले, जी एस महानगर बैंक की अध्यक्ष गीतांजली शेलके, राजेश लव्हेकर आदि ने भी विचार रखे। पतसंस्था परिवार मासिक के रौप्यमहोत्सव कार्यक्रम में सहकार क्षेत्र जुड़े लोग बड़ी संख्या में मौजूद थे।

पूर्व विधायक दिनेश चौधरी के नेतृत्व में एकता यात्रा का भव्य आयोजन

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत क्षेत्र में शनिवार को एकता यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व वरिष्ठ भाजपा नेता व केराकत के पूर्व विधायक दिनेश चौधरी ने किया, जबकि कार्यक्रम के संयोजक महेंद्र प्रजापति रहे। एकता यात्रा केराकत के नॉर्मल मैदान से प्रारंभ होकर थानागद्दी में जाकर समाप्त हुआ। पूरे मार्ग में कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय एकता, सद्भाव और भाईचारे का संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा ज़िलाध्यक्ष डॉ अजय सिंह रहे। कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष बृजेश सिंह, मंडल अध्यक्ष मिथलेश गिरी, अभिनव सिंह, भाजपा नेता अखिलेश सिंह, रंजीत सिंह, हंस कुमार सोनकर, लाल प्रताप सिंह, राजवंत सिंह ,दिलीप सोनकर सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत कार्यक्रम के समापन की अध्यक्षता पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह द्वारा किया गया। यात्रा के दौरान देशभक्ति नारों की गूंज के बीच सभी ने समाज में एकजुटता और राष्ट्रीय अखंडता को मजबूत बनाए रखने का संकल्प लिया।

नडीए की सुनामी में डूब गई जनसुराज की नैय्या

-वकील प्रसाद

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार चुनाव 2025 में प्रशांत किशोर और उनकी जनसुराज पार्टी को बड़ी हार का सामना करना पड़ा। एनडीए की प्रचंड लहर में जनसुराज की राजनीतिक नैय्या पूरी तरह डूब गई। नतीजा यह रहा कि किसी भी सीट पर जनसुराज ने अपना खाता भी नहीं खोल पाई। ठीक उसी प्रकार विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के मुखिया मुकेश सहनी का सपना डिप्टी सीएम बनने का था, लेकिन सन ऑफ मल्लाह के नाम से मशहूर सहनी की राजनीति की नैय्या एनडीए की सुनामी में समा गई। चुनाव में 15 सीटों पर किस्मत आजमाने उतरी वीआईपी की झोली पूरी तरह से खाली रही। मुकेश साहनी मल्लाहों के वोट भी नहीं दिला पाए। महागठबंधन को इसका लाभ नहीं मिला। प्रचार के दौरान सहनी के विवादित बयान ने मुसलमानों की नाराजगी बढ़ा दी। दरअसल, इस बिरादरी से डिप्टी सीएम उम्मीदवार बनाने की घोषणा नहीं करने संबंधी सवाल के जवाब में सहनी ने कहा था कि यह पद सिनेमा का टिकट नहीं है। एआईएमआईएम ने सहनी के इस बयान और महागठबंधन की ओर से की गई उपेक्षा को मुसलमानों के अपमान से जोड़ दिया। नतीजे में इस बार महागठबंधन से सिर्फ तीन मुस्लिम उम्मीदवार ही चुनाव जीत पाए। मुकेश साहनी के रणनीति के कारण मल्लाह बिरादरी तो महागठबंधन के साथ आई, ही नहीं, उल्टे 18 फीसदी मुसलमान वोट हाथ से फिसल गए। महिलाएं व युवाओं का कतार बदला एनडीए जीत का नक्शा। मतदान के समय केंद्रों पर लगी महिलाओं और युवाओं की लंबी कतारों ने परिणाम की ओर इशारा कर दिया था। बिहार में आधी आबादी और युवा ने इस बार के चुनाव में नया समीकरण जनादेश का नया जनादेश लिखा है। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर बिहार चुनाव परिणाम में फेक भाषणों में अर्से से बोल रहे थे लेकिन परिणाम के बाद फर्श पर नई राजनीति की अलख जगाने में नाकाम रहे जिसके कारण उनका खाता भी नहीं खुल पाई।

बसुही नदी पर अस्थायी बांस पुल बना जान लेवा, वर्षों से पक्का पुल की कर रहे है मांग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बसुही नदी पर बना अस्थायी रपटा-बांसपुल धावा, सोनाई, भन्नौर, हैदरगंज, उमरम, धर्मदासपुर, कान्हवंसीपुर, चतुर्भुजपुर, पिपरिया, हरदुवारी, बेलवा और बडेरी सहित दर्जनों गांवों के लोगों के लिए आज भी जीवन-मौत का खेल साबित हो रहा है। दोनों तरफ पीडब्ल्यूडी के मार्ग होने के बावजूद धावा गांव से बेलवा बाजार (लगभग 5 किमी) और भन्नौर बाजार (2 किमी) तक पहुंचने के लिए हजारों लोग इसी अस्थायी पुल का सहारा लेते हैं। सामाजिक कार्यकर्ता जज सिंह अन्ना ने शुक्रवार को धावा गांव पहुंचकर इस गंभीर समस्या का संज्ञान लिया। ग्रामीणों ने बताया कि करीब 5 वर्ष पहले धावा गांव के पप्पू यादव व क्षेत्र के अन्य लोगों ने अपनी निजी धनराशि और ग्रामीणों के सहयोग से बसुही नदी पर चार पाये खड़े कराए थे, ताकि आगे चलकर एक पक्का पुल बन सके। लेकिन स्लैब डालने का काम आज तक नहीं हो सका। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले 30 वर्षों से यह मांग लगातार उठाई जा रही है। पारसनाथ यादव के समय से लेकर अब तक कई सांसद और विधायक यहां भूमि पूजन कर जा चुके हैं, लेकिन पुल निर्माण आज तक शुरू नहीं हुआ। मजबूरी में ग्रामीण हर साल बांसपुल बनाकर आवागमन चलाते हैं। स्थिति इतनी भयावह है कि रोज छोटे-छोटे बच्चे इसी पुल से स्कूल जाते हैं और कई बार नदी में गिरने की घटनाएं भी हो चुकी हैं। ग्रामीणों के अनुसार, अब तक कई लोगों की जान भी जा चुकी है, जिसमें एक खटीक समाज के व्यक्ति की मृत्यु की पुष्टि की गई है। स्थानीय लोगों ने उत्तर प्रदेश सरकार, जिलाधिकारी जौनपुर और पीडब्ल्यूडी विभाग से मांग की है कि इस अस्थायी पुल की जगह मानक के अनुसार सरकारी पक्का पुल तत्काल बनवाया जाए, जिससे क्षेत्र में विकास की राह खुले और लोगों को सुरक्षित आवागमन मिल सके।

बताया जा रहा है कि मड़ियाहूं व मछलीशहर क्षेत्र में बसुही नदी पर कुल 25 स्थानों पर पुल निर्माण की मांग लंबे समय से लंबित है।

ग्रामवासियों ने अश्रुपूरित नेत्रों से दीपनारायण यादव को दी अंतिम विदाई

जौनपुर। बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित शाहपुर सानी गांव में गोमती नदी के किनारे सैकड़ो लोगों की उपस्थिति में आज गुलालपुर इंटर कॉलेज में प्राध्यापक रहे दीप नारायण यादव (उम्र 66 वर्ष) का अंतिम संस्कार किया गया। अत्यंत विनम्र, शालीन और आकर्षक व्यक्तित्व के धनी दीप नारायण यादव के पुत्र बंटी यादव ने जब मुखाग्नि दी तो उपस्थित सभी लोगों की आंखें नम हो गई। खून से छोटे भाई वरिष्ठ पत्रकार लक्ष्मी नारायण यादव का रो रोकर बुरा हाल था। जिस भाई के साथ बचपन में पढ़ाई लिखाई की, वह उन्हें छोड़कर इतना जल्दी चला जाएगा, सपने में भी नहीं सोचा था। पढ़ाई में तेज होने के साथ-साथ दीप नारायण यादव क्रिकेट और वॉलीबॉल के अच्छे खिलाड़ी भी रहे। प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला उपाध्यक्ष प्रमोद यादव के अनुसार वे एक ऐसे व्यक्ति थे, जिनसे हर कोई प्यार करता था। कभी भी किसी से उनका विवाद नहीं हुआ। उनकी अंतेष्ठी में शामिल होने वाले प्रमुख लोगों में वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, पूर्व प्रधानाचार्य राम आनंद पांडे, वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट हीरालाल यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष कलावती यादव, ग्राम प्रधान चंद्रशेखर यादव, प्रधानाध्यापक संजीव यादव, डा शंभूनाथ चौहान , लालचन्द यादव लाले, पूर्व जिला पंचायत सदस्य जितेन्द्र यादव, विवेक यादव, डा आलोक यादव, डा केपी यादव प्रबन्धक रमेश यादव, सपा नेता महेन्द्र यादव , पूर्व सांसद प्रतिनिधि चंद्र भूषण यादव पू,र्व जिला पंचायत सदस्य रामआसरे यादव, डॉ प्रेमचन्द यादव डॉ लालमणि प्रजापति , भाजपा जिला मंत्री अवधेश यादव, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष रामकिशोर यादव , प्रधान लालदेव यादव, प्रधान राजाराम यादव, पप्पू प्रधान, भिखारी यादव, धर्मदेव यादव, विकास यादव सोनू, अवनीश पाण्डेय, प्रधानाध्यापक रविन्द्र प्रसाद तिवारी पूर्व प्रधान संजय यादव, विमल यादव, डॉ बटेश्वर यादव, प्रबंधक राम मूर्ति यादव, डॉ बटेश्वर यादव , पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य शंकर सिंह, शिलाजीत, कमला प्रसाद यादव, अच्छेलाल यादव आदि का समावेश रहा।

दिल्ली बम विस्फोट का हिसाब भारत सरकार पूरा करेगी-प्रेमभूषण महाराज

-दिनेश सिंह

कानपुर (उत्तरशक्ति)। आओ गायें रामकथा घर घर में इस आध्यात्मिक आंदोलन के प्रणेता पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज के व्यासत्व में राकेश मिश्र द्वारा आजाद नगर स्थित पं. दीनदयाल सनातन धर्म विद्यालय प्रांगण में 8 नवम्बर से आयोजित नौ दिवसीय रामकथा में प्रेमभूषण महाराज ने कहा कि तीर्थ क्षेत्र में जाकर विश्राम अवश्य करना चाहिये। मनुष्य जीवन अनमोल है लेकिन सहजता से प्राप्त इस जीवन का मूल्य लोग नही समझ पाते हैं। भगवान द्वारा 72 हजार नाड़ियों से रचित इस शरीर में किसी रोग के हो जाने पर निदान करने वाले डॉ को तो लोग धन्यवाद देते हैं लेकिन भगवान को लोग भूल जाते हैं। राम जी वन यात्रा में प्रयागराज स्थित भरतद्वाज मुनि के आश्रम में पहुंच कर विश्राम करते हैं।भगवान राम भरतद्वाज मुनि से अपने निवास के लिए उत्तम स्थान पूछते हैं। भगवान राम भरतद्वाज मुनि द्वारा बताये गये सर्वोत्तम स्थान चित्रकूट के लिए प्रस्थान करते हैं। प्रेमभूषण महाराज ने राम को परमार्थ की प्रतिमूर्ति बताते हुए मार्ग में ग्राम नगर वासियों की राम के प्रति प्रेम,संवेदना और जिज्ञासा से परिपूर्ण भाव का सजीव चित्रण करते हुए अपना लोकप्रिय भजन 'धनुर्धर बटोही कहाँ से अइला..'सुनाकर श्रोताओं को भावविह्वल कर दिया। प्रेमभूषण महाराज ने अपने कथा प्रवाह में ई शरीरिया राउर हउवै भगवान, कीर्तन करो जवानी में बुढ़ापा किसने देखा है..और बता तेरे मुख को कौन खोलता है जैसे लोकप्रिय भजन सुनाकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

शाहरुख खान के नाम पर दुबई में बना लग्जरी बिजनेस टावर

मुंबई। एक अनोखे वैश्विक पहल के तहत, डेन्यूब प्रॉपर्टीज ने बॉलीवुड मेगास्टार शाहरुख खान के नाम पर एक प्रीमियम कमर्शियल टावर 'शाहरुखज बाय डेन्यूब' के लॉन्च की घोषणा की है। यह घोषणा दो ऐसे दिग्गजों के बीच एक ऐतिहासिक सहयोग का प्रतीक है जिन्होंने अपनी-अपनी दुनिया में महत्वाकांक्षा और सफलता को नई परिभाषा दी है - शाहरुख खान और डेन्यूब समूह के संस्थापक और अध्यक्ष रिजवान साजन।शेख जायद रोड पर भव्य रूप से स्थापित, यह 55-मंजिला टावर दुबई के सबसे प्रतिष्ठित व्यावसायिक स्थलों में से एक बनने के लिए तैयार है - एक ऐसा स्थल जो साम्राज्य निमार्ताओं, नवप्रवर्तकों और दूरदर्शी लोगों के लिए डिजाइन किया गया है। यह टावर शाहरुख खान और डेन्यूब दोनों के 33 वर्षों के उत्कृष्टता का जश्न मनाता है, जो लचीलापन, पुनर्निर्माण और सफलता की निरंतर खोज के उनके साझा मूल्यों का प्रतीक है। लॉन्च के अवसर पर शाहरुख खान ने कहाः दुबई में एक ऐतिहासिक स्थल का नाम मेरे नाम पर रखना मेरे लिए बेहद विनम्र और दिल को छू लेने वाला अनुभव है। दुबई हमेशा से मेरे लिए एक खास जगह रहा है - एक ऐसा शहर जो सपनों, महत्वाकांक्षाओं और संभावनाओं का जश्न मनाता है। शाहरुखज बाय डेन्यूब इस बात का प्रतीक है कि विश्वास और कड़ी मेहनत आपको कितनी दूर तक ले जा सकती है। मुझे डेन्यूब के साथ जुड़कर गर्व महसूस हो रहा है, एक ऐसा ब्रांड जो आकांक्षा और उत्कृष्टता की इसी भावना को दशार्ता है। शाहरुख खान और रिजवान साजन दोनों ने 33 साल पहले एक साझा सपने के साथ अपनी यात्रा शुरू की थी—जुनून और दृढ़ता के जरिए प्रभाव पैदा करना। शाहरुख खान ने सपनों को नियति में बदल दिया, एक ऐसा दर्शन जो डेन्यूब में हमारी यात्रा को दशार्ता है।

अमृता खानविलकर ने ZEE5 की बाई तुज्यापायी से प्रेरित होकर माहवारी से जुड़े कलंक को खत्म करने के लिए उठाई आवाज

मुंबई। ZEE5 की मराठी ओरिजिनल सीरीज बाई तुज्यापायी ने सिर्फ दिलों को नहीं छुआ – बल्कि इसने एक आंदोलन को जन्म दिया है। यह सीरीज अहिल्या की हिम्मत और सवाल उठाने की यात्रा को दिखाती है, जिसने पूरे महाराष्ट्र में माहवारी से जुड़े कलंक और लैंगिक असमानता पर वास्तविक चचाएं शुरू कर दी हैं। मीपणअहिल्या अभियान के माध्यम से ZEE5 ने कलाकारों, इन्फ्लुएंसर्स, छात्रों और आम नागरिकों को एक साथ लाकर अहिल्या के उस सशक्त सवाल का (क्यों) को दोहराया। जो कहानी एक रील के रूप में शुरू हुई थी, वह अब असली आवाजों का आंदोलन बन चुकी है – जहां लोग अपने लाल हथेली उठाकर एकजुटता और ताकत का प्रतीक बन रहे हैं, जो चुप्पी और शर्म के खिलाफ खड़े हैं। अभियान ने रचनात्मकता को सड़कों तक पहुंचा दिया—डोंबिवली के कॉलेज थिएटर समूहों ने प्रभावशाली स्ट्रीट प्ले प्रस्तुत किए, जिनका समापन दर्शकों के लाल हथेली उठाकर एकजुटता दिखाने के साथ हुआ—इन प्रदर्शनों ने सार्वजनिक स्थलों को संवाद और बदलाव के मंच में बदल दिया। ऑनलाइन भी इस आंदोलन ने जोर पकड़ा, जब अमृता खानविलकर जैसी प्रमुख मराठी हस्तियों और सौ से अधिक क्षेत्रीय इन्फ्लुएंसर्स ने अहिल्या का संदेश सोशल मीडिया पर फैलाया – जिससे मीपणअहिल्या एक जन-जागरूकता और एकजुटता की लहर बन गया।

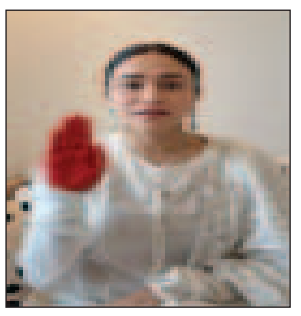

अभियान के बारे में बोलते हुए अमृता खानविलकर ने कहा, अहिल्या की कहानी ने मुझे गहराई से छुआ – उसकी अंधभक्ति पर सवाल उठाने की हिम्मत और शिक्षा के प्रति उसका अटूट विश्वास उन अनगिनत महिलाओं की भावना को दशार्ता है जो सीमाओं से परे सपने देखने की हिम्मत रखती हैं। बाई तुज्यापायी सिर्फ उसकी कहानी नहीं कहती – यह हमारे भीतर कुछ जगाती हैः वह ताकत जो हमें सिर ऊँचा रखकर बोलने और बदलाव की शुरूआत करने की प्रेरणा देती है।

सोनभद्र खदान हादसा: एक की मौत, 15 मजदूरों के मलबे में दबे होने की आशंका

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। जनपद सोनभद्र के बिल्ली मारकुंडी में कृष्णा माइनिंग वर्क्स की पत्थर खदान धंसने से एक मजदूर की मौत और 15 के मलबे में दबे होने की आशंका है। ड्रिलिंग के दौरान हुए हादसे के बाद से खदान मालिक फरार हैं। प्रशासन, पुलिस और बचाव दल मौके पर हैं।

करेंट की चपेट से युवक की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरपतहा थाना क्षेत्र के सरपतहां गांव में घरेलू बिजली ठीक करते समय करेंट की चपेट में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे से परिजनों में कोहराम मच गया।जानकारी के अनुसार उक्त गांव निवासी संजय यादव (31) पुत्र बिजय बहादुर यादव अपने नए घर में बिजली की मरम्मत कर रहा था। इसी दौरान वह तार को दांत से काटने लगा, तभी अचानक बिजली आ गई और वह झुलस कर गिर पड़ा। मौके पर ही उसकी मौत हो गई।संजय के चीखने पर उसकी मां उर्मिला देवी और पत्नी पूनम यादव दौड़कर पहुंचीं, लेकिन तब तक सबकुछ खत्म हो चुका था, आस-पास के लोग भी मौके पर पहुंचे, परंतु उसे बचाया नहीं जा सका। मृतक हाल ही में दिल्ली से घर लौटा था। वह वाहन चलाकर परिवार का पालन-पोषण करता था। पांच वर्षीय बेटे कान्हा और डेढ़ वर्षीय बेटी कूहू दो बच्चों की जिम्मेदारी अब उसकी पत्नी पूनम पर आ गई है, जो पति की मौत से रो-रोकर बेसुध है।युवक की मौत से गांव में मातम पसरा हुआ है।

वाराणसीः दालमंडी में हड़कंपः 187 मकानों पर बुलडोजर, व्यापारियों का विरोध बेअसर

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। वाराणसी की ऐतिहासिक दालमंडी में शनिवार सुबह एक बार फिर बुलडोजर चलने लगा। नगर निगम, पीडब्ल्यूडी और भारी पुलिस बल की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरू किया गया। कार्रवाई अऊट सिटी आलोक वर्मा के नेतृत्व में हो रही है, जिसमें बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी मौजूद हैं। पुलिस को देखते ही दालमंडी और नई सड़क के व्यापारी मौके पर जमा हो गए। कुछ कारोबारियों ने विरोध भी किया, लेकिन प्रशासन के सामने किसी की नहीं चली। अधिकारियों ने दुकानदारों को सामान हटाकर तत्काल दुकानें बंद करने का निर्देश दिया।

कार्रवाई के दौरान मकान मालिक मो. शाहिद और वाजिद के भवनों पर हथौड़ा चलाया जा रहा है। एसीपी ने माइक से लगातार चेतावनी देकर मकान-दुकानें खाली करने की अपील की। उल्लेखनीय है कि 11 नवंबर को प्रदर्शन के बाद अगले ही दिन चंदौली से सपा सांसद वीरेंद्र सिंह दालमंडी पहुंचे थे। व्यापारियों से मुलाकात कर उन्होंने मुआवजा बढ़ाने और दुकानें न गिराने की मांग उठाई थी, लेकिन आज की कार्रवाई से स्पष्ट है कि प्रशासन अपने रुख पर कायम है।

नगर निगम ने दालमंडी क्षेत्र के कुल 187 मकानों को ध्वस्तीकरण के लिए चिह्नित किया है। इनके बदले करीब 191 करोड़ रुपये का मुआवजा तय किया गया है। इनमें से 14 दुकानदारों ने मुआवजा प्राप्त कर ध्वस्तीकरण के लिए लिखित सहमति दी है। अभियान की शुरूआत इन्हीं संरचनाओं को गिराने से की गई है। अब तक केवल दो मकान गिराए जा चुके हैं, लेकिन शनिवार से कार्रवाई और तेज की गई है।

दालमंडी को मॉडल रोड के रूप में विकसित किए जाने की महात्वाकांक्षी परियोजना पर तेजी से काम चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी वर्ष अगस्त में इस मार्ग के निर्माण का शिलान्यास किया था। परियोजना के लिए राज्य सरकार ने 215.88 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। मंदिर से महज 100 मीटर की दूरी पर स्थित यह मार्ग काशी विश्वनाथ मंदिर के गेट नंबर 4 के सामने से होकर जाता है। लेआउट के अनुसार, यह शहर की सबसे सुंदर सड़कों में शामिल होगी। सड़क के दोनों ओर 3.2 मीटर का फुटपाथ और हरियाली के लिए विशेष स्थान बनाया जाएगा। दावा है कि यह सड़क दिल्ली और बेंगलुरु की आधुनिक सड़कों की बराबरी करेगी।

दालमंडी केवल व्यापार का केंद्र नहीं, बल्कि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और कलात्मक पहचान भी रखती है। कभी अंग्रेज इसे दाल मंडी कहा करते थे। बॉलीवुड अभिनेत्री नरगिस की मां और संजय दत्त की नानी जद्दनबाई का घर यहीं था, जिसने भारतीय सिनेमा के शुरूआती दौर को दिशा दी। यहीं का एक और बड़ा गौरव रहे बनारस घराने के मशहूर तबलावादक लक्ष्मी नारायण सिंह उर्फ लच्छू महाराज, जिनका ताल से रिश्ता दालमंडी की सांस्कृतिक आत्मा में आज भी महसूस किया जाता है।

फिलहाल दालमंडी में माहौल तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रित है। कार्रवाई जारी है और विरोध के स्वर बीच-बीच में उठ रहे हैं। व्यापारियों की आर्थिक चिंताएं और प्रशासन की विकास प्राथमिकता के बीच यह संघर्ष आगे क्या मोड़ लेगा, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। इतना तय है कि दालमंडी एक बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रही है, जहाँ अतीत की ऐतिहासिक पहचान और वर्तमान के आधुनिक विकास की कहानी एक साथ लिखी जा रही है।

साइड माँगने पर विवाद: मारपीट के तीन आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना शाहगंज क्षेत्र के हुसैनाबाद मार्ग पर ट्रैक्टर पास देने को लेकर हुए विवाद में मारपीट करने वाले तीन आरोपितों को पुलिस ने शनिवार सुबह गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार रात करीब 7 बजे रवि प्रकाश पुत्र बाबूराम बिन्द (45) ट्रैक्टर से धान दानने जा रहे थे। हुसैनाबाद मार्ग पर पास मांगने के दौरान प्रतिवादी पक्ष ने विवाद बढ़ाते हुए उनके साथ गाली-गलौज व मारपीट की। हमले में रवि प्रकाश के सिर में गंभीर चोट आई और वह मौके पर ही बेहोश हो गए। परिजन उन्हें सीएचसी शाहगंज ले गए, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पीड़ित के भाई कमलेश कुमार की तहरीर पर पुलिस ने सन्दीप बिन्द, गुलाब बिन्द और विमलेश उर्फ गुड्डू के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया था। शनिवार सुबह करीब 10:30 बजे उ0नि0 मुन्ना लाल शर्मा व टीम ने तीनों वांछित अभियुक्तों को बड़ागांव पुलिया से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपितों ने मामूली विवाद में मारपीट की बात स्वीकार की। पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर सभी को जेल भेज दिया। गिरफ्तारी टीम में प्रभारी निरीक्षक के.के. सिंह, उ0नि0 मुन्ना लाल शर्मा, हे.का. अमित यादव और हे.का. आशीष यादव शामिल रहे।

पंजीकरण फार्मर रजिस्ट्री के अन्तर्गत कराने वाले कृषकों को मिलेगा लाभ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपर जिलाधिकारी भू-राजस्व ने अवगत कराया है कि फार्मर रजिस्ट्री के कार्यों की प्रगति की नियमित समीक्षा एवं समुचित पर्यवेक्षण हेतु जिला कन्ट्रोल रूम द्वारा 13 एवं 14 नवम्बर 2025 को रैण्डम आधार पर तहसील के लेखपालों से दूरभाष पर वार्ता कर उनके द्वारा किये गये फार्मर रजिस्ट्री की जानकारी प्राप्त की गयी। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री कृषक सम्मान योजना का लाभ उन्ही कृषकों को प्रदान किया जाना है जिनका पंजीकरण फार्मर रजिस्ट्री के अन्तर्गत कराया जा चुका है। ऐसी दशा में अवशेष कृषको का पंजीकरण न होने से उन्हें प्रधानमंत्री कृषक सम्मान योजना के लाभ से वंचित रहना पड़ सकता है। तहसीलों में कार्यरत कतिपय लेखपालों द्वारा फार्मर रजिस्ट्री में प्रशंसनीय कार्य किया गया है परन्तु कुछ लेखपालों द्वारा फार्मर रजिस्ट्री की शून्य सूचना कन्ट्रोल रूम को उपलब्ध करायी गयी है।

बिहार में एनडीए की प्रचंड जीत, रंग लाई बाबू भाई भवानजी की मेहनत

मुंबई। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए मुंबई भाजपा के वरिष्ठ नेता और मुंबई के पूर्व उप महापौर बाबू भाई भवानजी द्वारा की गई भारी मेहनत रंग लाई और इस चुनाव में एनडीए ने प्रचंड जीत हासिल की है।

बता दें कि जैसे ही चुनाव नजदीक आया वैसे ही भवानजी ने मुंबई में रह रहे प्रवासियों के साथ बैठक करके उनसे एनडीए का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने बड़ी संख्या में प्रवासियों को गांव भेजा और मुंबई मे रहेने वाले बिहार के लोगो की बस्ती ओ मे जाके उन्हे बीहार मे रहने वाले उनके स्वजन. परीचीतो को बिहार के विकास के लिए ठऊअ को वोट देने के लीये उनसे फोन करवा के एनडीए के मतों को बढ़ाने का काम किया। चुनाव प्रचार के दौरान भवानजी ने मिथिलांचल, सीमांचल और भोजपुर इलाके में अपनी टीम के साथ सघन प्रचार अभियान चलाया जिससे एनडीए के पक्ष में माहौल तैयार हुआ।

गौरतलब है कि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने बिहार में भारी जीत दर्ज की है और राज्य की 243 विधानसभा सीटों में से 201 से ज्यादा पर प्रभावशाली बढ़त बना ली है। शुरूआती रुझानों से यह भी संकेत मिल रहा है कि भगवा पार्टी शानदार स्ट्राइक रेट के साथ अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज करने की राह पर है। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर दोपहर तक उपलब्ध रुझानों के अनुसार, भाजपा 101 सीटों पर चुनाव लड़ी थी और 89 से ज्यादा विधानसभा सीटों पर बढ़त के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। यह प्रदर्शन देश में नंबर एक राजनीतिक ताकत के रूप में उसकी स्थिति को और मजबूत करेगा, और पिछले साल के लोकसभा चुनावों में मिली किसी भी कमी की भरपाई कर देगा। बिहार में एनडीए की यह बढ़त दिल्ली, महाराष्ट्र और हरियाणा में भाजपा के लगातार शानदार प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी टीम द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दिए गए दृढ़ समर्थन से जद(यू) को भी अच्छा लाभ हुआ है। जद(यू) 2020 के बाद से अपनी सीटों की संख्या में भारी सुधार की ओर अग्रसर है। 2020 में उसने केवल 43 सीटें जीती थीं, लेकिन अब वह 84 से अधिक सीटों पर आगे चल रही है।

प्रधानमंत्री के स्वयंभू हनुमान और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (रालोद) 19 से अधिक सीटों पर आगे चल रही है, जो इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए एक शानदार प्रदर्शन है कि उसने केवल 29 सीटों पर चुनाव लड़ा था। राजद, जो विपक्ष में होने के बावजूद सबसे बड़ी पार्टी होने पर गर्व करती रही है, 140 से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने के बावजूद 25 से भी कम सीटों पर बढ़त के साथ निराशाजनक प्रदर्शन करती दिख रही है।

कांग्रेस, जिसने 61 सीटों पर चुनाव लड़ा था और इनमें से कई सीटों पर सहयोगियों के साथ दोस्ताना लड़ाई लड़ी थी, बिहार में अपनी बेबस पार्टी होने की प्रतिष्ठा पर खरी उतरी है। अगर रुझान नतीजों में तब्दील होते हैं, तो भाजपा लगातार दूसरे चुनाव में जदयू से बेहतर प्रदर्शन करेगी, जिससे कार्यकर्ताओं के भीतर अपना मुख्यमंत्री बनाने की मांग उठ सकती है। हालांकि, प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अब तक इस मुद्दे पर अस्पष्ट रुख अपनाए हुए हैं और जोर देकर कहते रहे हैं कि एनडीए का नेतृत्व बिहार में नीतीश कुमार कर रहे हैं, यह रणनीति शायद इस तथ्य को देखते हुए अपनाई गई है कि भाजपा, जिसके पास लोकसभा में बहुमत नहीं है और जो सत्ता में बने रहने के लिए जदयू और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी जैसे सहयोगियों पर निर्भर है।

आयुर्वेदिक पंचकर्म हॉस्पिटल का हुआ उद्घाटन

उदयपुरवाटी। सूर्य नगर उदयपुरवाटी में आज आयुर्वेदिक पंचकर्म हॉस्पिटल का उद्घाटन हुआ ,डॉक्टर विनोद सैनी द्वारा निर्मित इस अस्पताल का उद्घाटन उनके माता-पिता के पोखरमल वैद्यजी,मंगली देवी द्वारा किया गया इस हॉस्पिटल में आयुर्वेद चिकित्सा के साथ-साथ आयुर्वेद विद्या की पंचकर्म सेवा भी उपलब्ध होने लगेगी इस दौरान ब्लाक आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेंद्र कुमावत ब्लॉक आयुष चिकित्सालय के प्रभारी डॉक्टर राकेश माहिच, अभिषेक सैनी राजूराम सैनी प्रीति, दीपक शर्मा यूनानी के डॉक्टर जबीर खान, सुशील वर्मा प्रियंका वर्मा, प्रीति वर्मा,मंगल चंद,राधेश्याम सैनी, डॉ .दिनेश सैनी,योगेश, करण वर्मा,भंवरलाल कुमावत,शिवपाल सैनी गिरधरपुरा, सुमन सैनी,सरोज,सहित कई अतिथि और घर परिवार के लोग उपस्थित हुए।

कादीपुर के मगरसन में भव्य रामलीला का मंचन किया जारहा है

सुलतानपुर। जनपद सुलतानपुर के कादीपुर स्थित मगरसन में बाल रामलीला समिति द्वारा आयोजित भव्य रामलीला मंचन का शुभारंभ हुआ। अघोर पीठ के पीठाधीश्वर श्रीमंत कपाली महाराज जी तथा लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं ब्लॉक प्रमुख प्र. प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल रिंकू भइया ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर मंचन का शुभारंभ किया। उद्घाटन उपरांत दोनों अतिथियों ने आरती कर कार्यक्रम की मंगलकामना की। समिति की ओर से उन्हें अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित भी किया गया। अपने संबोधन में रिंकू भइया और कपाली महाराज जी ने मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाने तथा उनके प्रेरणादायी चरित्र से समाज में सद्भाव और नैतिकता स्थापित करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में किन्नर कल्याण बोर्ड सदस्य काजल मधु, कपाली महाराज जी के सहयोगी भक्तगण तथा पूर्व बीडीसी विजय सिंह, बीडीसी संदीप दुबे, बीडीसी संजीत सिंह,पंचबहादुर वर्मा, विशेष कार्यकारी अधिकारी महाराष्ट्र शासन एवं पत्रकार आदेश मिश्र, दीपक शुक्ल, शिक्षक अभिषेक पांडेय और ग्रामवासी श्रद्धालु भक्त गण सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में समिति अध्यक्ष लालजी मिश्र, उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार रामजी मिश्र, प्रबंधक मनमोहन सिंह तथा सचिव एड. आचार्य नीरज मिश्र ने सभी अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित कर आभार व्यक्त किया।

किशोरी के अपहरण और दुष्कर्म में सात वर्ष की सजा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय रूपाली सक्सेना की अदालत ने 10 वर्ष पूर्व नाबालिग को भगा ले जाने व उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोपी युवक को 7 वर्ष के कारावास व 10000 अर्थदंड से दंडित किया। अभियोजन कथानक के अनुसार सरपतहा थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने अभियोग पंजीकृत करवाया कि उसकी 17 वर्षीया पुत्री जो कक्षा 11 में पढ़ती है उसे उसके गांव का ही रहने वाला सार्जन उर्फ पोरस उर्फ पुल्ली दिनांक 25 दिसंबर 2015 को शाम 7 बजे बहला फुसला कर भगा ले गया। पुलिस ने आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। शासकीय अधिवक्ता वेद प्रकाश तिवारी व रमेश चंद्र पाल के द्वारा परीक्षित कराए गए गवाहों के बयान एवं पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के परिशीलन के पश्चात अदालत ने आरोपी युवक को दोषसिद्ध पाते हुए 7 वर्ष के कारावास व 10000 अर्थदंड से दंडित किया।

विवाहिता की मौत, पिता ने लगाया हत्या का आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के नेवढ़िया थाना क्षेत्र के बराई कला गांव में 32 वर्षीय कविता उर्फ सोनी देवी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका के पिता जेयनाथ गौतम ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी कविता देवी उर्फ सोनी की हत्या पति अमरजीत और जेठ इंद्रजीत ने की है। पिता के मुताबिक, आज सुबह दामाद अमरजीत गौतम ने फोन कर सूचना दी। जब वे रामनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, तो शव वहीं था। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी बेटी के मुंह में कपड़ा डालकर मारा गया और उसके सिर के बालों में घास दिखाई दी, जिससे यह प्रतीत होता है कि उसकी निर्मम तरीके से मारपीट कर हत्या की गई है। पिता ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।कविता की शादी 12 वर्ष पहले अमरजीत गौतम के साथ हुई थी। उनके दो बच्चे हैं, 9 वर्षीय बेटा अनमोल और 6 वर्षीय बेटी खुशी। मृतका का मायका नेवढ़िया थाना क्षेत्र के हरसिंहपुर में बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पति-पत्नी में आए दिन विवाद होता रहता था। आरोप है कि पति और जेठ शराब के आदी थे और शराब पीने के बाद कविता को पीटते थे। मृतका के पिता ने नेवढ़िया थाने में लिखित शिकायत पत्र दिया है। सूचना मिलने पर नेवढ़िया पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। इस प्रकरण में थाना अध्यक्ष नेवढ़िया ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

प्रिंसिपल श्रीकांत यादव सेवानिवृत्त

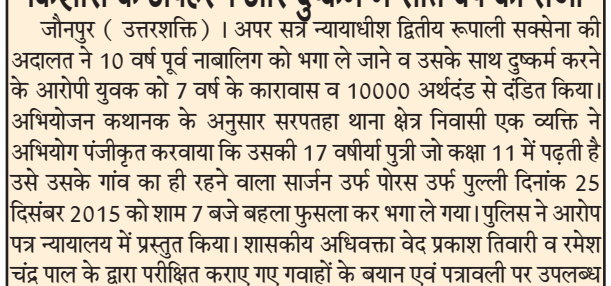

मुंबई। कुर्ला पश्चिम स्थित हाल रोड़ मनपा स्कूल के प्रिंसिपल श्रीकांत राजाराम यादव सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर उनका एवं उनकी जीवन संगिनी गीता देवी यादव का उनके शैक्षणिक कार्य हेतु समाजसेवी शिक्षाविद् चंद्रवीर बंशीधर यादव ने कृतज्ञता ज्ञापित किया।समारोह में श्यामपति यादव डॉ. अनुराग यादव , इंजि. अविनाश यादव सहित गणमान्य की उपस्थिति रही।

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत पर मुंबई से भाजपा नेता सुरेंद्र यादव ने जताया आभार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की जीत के बाद पूरे देश में भारतीय जनता पार्टी के कार्यों की सराहना हो रही है। इसी क्रम में मुंबई से भाजपा उत्तर भारतीय चांदीवली के अध्यक्ष सुरेंद्र यादव ने बिहारवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में पूर्ववर्ती सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों और सुशासन को ध्यान में रखते हुए बिहार की जनता ने पुनः एनडीए को पूर्ण बहुमत प्रदान किया। जनता के इस विश्वास ने साबित कर दिया कि गठबंधन सरकार की नीतियाँ और योजनाएँ लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरी हैं। सुरेंद्र यादव ने कहा कि जनता ने जिस विश्वास के साथ भाजपा और उसके सहयोगी दलों को समर्थन दिया है, सरकार भी उतनी ही प्रतिबद्धता के साथ अपने किए गए वादों को पूरा करेगी। नई गठबंधन सरकार राज्य में रोजगार, महिला सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में कार्य करेगी। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए जारी किए जा रहे सरकारी योनाओं का लाभ उन तक समय-समय पर पहुंचाने व बताने का कार्य करें। जिससे सरकार के प्रति जनता का भरोषा और प्रगाढ हो।

उन्होंने आगे कहा कि बिहार तो झांकी है, मुंबई बीएमसी चुनाव बाकी है।

वसई में मीटर रिक्शा सेवा का शुभारंभ, नागरिकों को मिला आसान और पारदर्शी सफर का नया विकल्प

वसई। वसई रेलवे स्टेशन और एस.टी. बस डिपो से आज से मीटर रिक्शा सेवा की औपचारिक शुरूआत की गई। पहले से उपलब्ध शेयरिंग रिक्शा सेवा के साथ अब मीटर रिक्शा का विकल्प भी जुड़ जाने से यात्रियों को अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित और पारदर्शी यात्रा का लाभ मिलेगा। इस नई सेवा के शुभारंभ के मौके पर स्थानीय नागरिकों, पत्रकारों, पदाधिकारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित भी उपस्थित रहीं। उनके शामिल होने से इस पहल को विशेष महत्व मिला। दैनिक यात्रा के दौरान होने वाली भीड़ और असुविधा को कम करने की दिशा में यह कदम एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है। रोजाना वसई से आने-जाने वाले विद्यार्थियों, कर्मचारियों और कामकाजी लोगों के लिए यह सेवा राहत लेकर आई है। शेयरिंग रिक्शा सेवा पूर्व की तरह जारी रहेगी, जबकि मीटर रिक्शा सेवा के जुड़ने से नागरिकों को अब अपनी यात्रा के लिए अधिक विकल्प और बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। स्थानीय स्तर पर परिवहन व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने की दिशा में यह पहल वसई के नागरिक जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है।

सराय में रिक्शा चोरी के आरोप में एक गिरफ्तार

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा में 08 नवंबर 2025 को, शिकायतकर्ता जितेश ठाकुर, दीन गाँव, उम्र-36 वर्ष, पेशे से रिक्शा चालक, रा.आर.यू.नं.534, ताले अली, विट्ठल रुक्मिणी मंदिर, अचोले गाँव, नालासोपारा पूर्व ताल. वसई जिला. पालघर, है। जब उनका बजाज कंपनी का ऑटोरिक्शा मॉडल नंबर 2018 M.H.48 अ. . 9538, उनके निवास स्थान के बाहर, नागेश्वर मंदिर के पास, काशीदत्त बिल्डिंग के सामने, एक खुली जगह में खड़ा था, तभी किसी अज्ञात चोर ने शिकायतकर्ता की अनुमति के बिना उक्त ऑटोरिक्शा चुरा लिया। दिनांक 11 नवंबर 2025 को अचोले पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता, 2023 की धारा 303(2) के अंतर्गत मु.आ.सं. 460/2025 के तहत मामला दर्ज किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के निर्देश एवं मार्गदर्शन में अपराध जांच शाखा के अधिकारियों एवं प्रवर्तन अधिकारी को उक्त अज्ञात चोर की पतासाजी हेतु निर्देश दिए गए थे। तद्नुसार, अपराध जांच शाखा के अधिकारी एवं प्रवर्तन अधिकारी तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से अज्ञात चोर की तलाश कर रहे थे। 12 नवंबर 2025 को अपराध जांच शाखा अधिकारी और अनमलदार को गहन जांच करने के बाद गोपनीय मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि उपरोक्त विवरण का व्यक्ति चंदनसर, कुभार पाड़ा, विरार पूर्व क्षेत्र में रह रहा है। उस समय अपराध जांच शाखा अधिकारी और अनमलदार कुंभार पाड़ा विरार पूर्व क्षेत्र में उक्त व्यक्ति की तलाश कर रहे थे और उन्हें सूचना मिली कि वह कुंभार पाड़ा के जीवदानी होटल में है। इसलिए पुलिस टीम ने उक्त आरोपी को हिरासत में ले लिया और उससे उसका नाम और पता पूछा। जब उससे उसका नाम और पता पूछा गया, तो उसने अपना नाम प्रकाश पुखराज त्रिवेदी, 33 वर्ष, पेशा-रिक्शा चालक, निवासी फिरास्ता, कुंभार पाड़ा क्षेत्र चंदनसर, विरार पूर्व, तालुका वसई, जिला. पालघर, है। मूल गांव-कीका बागल, पो चारभुजा जि, राजसमंत राजस्थान। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया और आगे की जांच जारी है। गिरफ्तार अभियुक्त प्रकाश पुखराज त्रिवेदी रिक्शा चालक को पुलिस हिरासत में ले कर अपराध की विवेचना के दौरान उससे गहन पूछताछ की गई और गहन पूछताछ के बाद उसके पास से कुल 1,70,000/- रुपये मूल्य के 04 रिक्शा जब्त किए गए। निम्नलिखित अपराध का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया है। उक्त प्रदर्शन निकेत कौशिक, पुलिस आयुक्त, दत्तात्रय शिंदे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, श्रीमती पूर्णिमा चौगुले-श्रृंगी, पुलिस उपायुक्त, जोन-2 वसई, उमेश माने-पाटिल, सहायक पुलिस आयुक्त, तुलिंज डिवीजन, सुजीत कुमार पवार, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक के मार्गदर्शन में कार्रवाई किया गया।

सुवर्ण महोत्सव: अरुणोदय कला निकेतन का 66वां स्वर्णिम उत्सव

मुंबई। मुंबई ने एक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक वैभव से भरी अविस्मरणीय शाम का साक्षी बनते हुए, 66 वर्षीय प्रतिष्ठित संस्थान अरुणोदय कला निकेतन के सुवर्ण महोत्सव का स्वागत किया। यह भव्य आयोजन संस्थान के संस्थापक विद्वान गुरु एम. एन. सुवर्ण जी को समर्पित था। कार्यक्रम का संयोजन उनकी पुत्री और कलात्मक निदेशक डॉ. गुरु मीनाक्षी श्रीयान ने किया। शाम की शुरूआत शास्त्रीय संगीत के एक गरिमामय प्रस्तावना से हुई।

त्यागेश अकादमी (गुरु दक्षिणामूर्ति), स्वरात्मा संगीत विद्यालय (गुरु विष्णुदास नेदुम्पिल्ली), षणमुखानंद संगीत विद्यालय, इन संस्थानों ने अपनी प्रस्तुतियों से भक्ति, परंपरा और रागात्मक सौंदर्य का वातावरण निर्मित किया।

नृत्य प्रस्तुतियों की श्रृंखला

उद्घाटन नृत्य आनंद नर्तन गणपति डॉ. मीनाक्षी श्रीयान की शिष्याओं द्वारा गुरु सुवर्ण जी को स्मरण करते हुए प्रस्तुत किया गया। इसके बाद देशभर से आए प्रतिष्ठित संस्थानों ने अपनी विशेष प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन विभिन्न भाग लेने वाले संस्थानों के प्रमुख गुरुओं द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। मुख्य अतिथियों में समीर जावेरी, चेतन त्रिवेदी, हितेश सिंह शामिल हो कर दक्षिण भारतीय परंपरा के अनुरूप पुष्प अर्पित करके समारोह की शोभा बढ़ाई।

शाम का सबसे मार्मिक क्षण था गुरु सुवर्णा की 70 वर्षीय वरिष्ठ शिष्या द्वारा प्रस्तुत भरतनाट्यम गायन, जिसने गुरुऋशिष्य परंपरा की गहराई और सात दशकों के संबंध को मंच पर सजीव कर दिया।

भारतीय संस्कृति और कला-संरक्षण में योगदान देने वाले कलाकार अशोक पक्काला, नवीन इन्नाबालिके, मोहन राय और मंजूनाथ शेट्टीगर–

को सम्मानित किया गया। 60 से अधिक युवा कलाकारों की सहभागिता ने इस सुवर्ण महोत्सव को न केवल विशिष्ट बनाया, बल्कि अरुणोदय कला निकेतन की 66 वर्षों की परंपरा, समर्पण और कलात्मक उत्कृष्टता का भव्य उत्सव भी बनाया। मुंबई की यह रात रोशन ही नहीं, बल्कि भावनाओं, कला और भारतीय सांस्कृतिक विरासत की अनुगूंज से भी जगमगा उठी।

एनडीए सरकार द्वारा किए गए कार्यों को जनता सराह रही है: रंजू झा

महाराष्ट्र (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा की सचिव श्रीमती रंजू झा ने एक बयान जारी कर बिहार में अपने परिवारजनों व समर्थकों के प्रति आभार व्यक्त किया है। झा ने कहा कि बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर जनता द्वारा एनडीए पर दिखाए जा रहे विश्वास से वह अत्यंत उत्साहित हैं। रंजू झा ने कहा कि बिहार में सुशासन, विकास, जनकल्याण और सामाजिक न्याय की दिशा में एनडीए सरकार द्वारा किए गए कार्यों को जनता सराह रही है। उन्होंने कहा कि एनडीए की नीतियों और विकास के एजेंडे को लेकर लोगों का व्यापक समर्थन देखने को मिल रहा है, जिसे वह जनता की सेवा के प्रति विश्वास के रूप में देखती हैं। अपने संदेश में उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित एनडीए के सहयोगी नेताओं–चिराग पासवान, जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा–को भी शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। उन्होंने कहा कि सभी दलों के सामूहिक प्रयासों से राज्य में विकास का एक नया अध्याय लिखा गया है। रंजू झा ने एनडीए कार्यकर्ताओं को भी धन्यवाद दिया और कहा कि उन्होंने जनता के बीच जाकर विकास कार्यों का संदेश पहुँचाया और विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों का मजबूती से जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं की मेहनत ही जनसमर्थन का आधार है। भविष्य की योजनाओं का ज़िक्र करते हुए रंजू झा ने कहा कि आने वाले समय में बिहार के इंफ्रास्ट्रक्चर, संस्कृति, युवा शक्ति और नारी सशक्तिकरण के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया जाएगा, ताकि राज्य को नई पहचान मिल सके और लोगों को बेहतर अवसर प्राप्त हों।

पीएनबी ने अपने ग्राहकों से 30 नवंबर तक केवाईसी विवरण अद्यतन करने का अपील किया है

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के दिशानिदेर्शों का पालन करते हुए, देश के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, पंजाब नेशनल बैंक ने अपने ग्राहकों से अपने खातों में अपने ग्राहक को जानें (केवाईसी) जानकारी अपडेट करने का अपील किया है।

चल रहे (केवाईसी) अनुपालन अभ्यास के तहत, पीएनबी के जिन ग्राहकों के खातों में 30.09.2025 तक केवाईसी अपडेट होना था, उनसे अनुरोध है कि वे अपनी अपडेट की गई केवाईसी जानकारी - जैसे पहचान प्रमाण, पते का प्रमाण, नवीनतम तस्वीर, पैन/फॉर्म 60, आय प्रमाण, मोबाइल नंबर (यदि पहले से पंजीकृत नहीं है), या कोई अन्य आवश्यक केवाईसी दस्तावेज - 30.11.2025 तक या उससे पहले जमा कर दें।

ग्राहक किसी भी पीएनबी शाखा में जाकर या पीएनबी वन, इंटरनेट बैंकिंग सेवाएँ (आईबीएस), व्हाट्सएप, एसएमएस सहित डिजिटल माध्यमों से, या पंजीकृत ईमेल या डाक के माध्यम से अपनी मुख्य शाखा को आवश्यक दस्तावेज भेजकर अपने केवाईसी विवरण अपडेट कर सकते हैं। कृपया ध्यान दें कि निर्धारित समय सीमा के भीतर केवाईसी अपडेट न करने पर नियामक दिशानिदेर्शों के अनुसार खाता संचालन पर प्रतिबंध लग सकता है।